भीम प्रज्ञा अलर्ट

'समाज उसी दिन बदलता है, जब लोग यह तय कर लें कि ताली केवल अच्छाई के लिए बजेगी और सम्मान केवल चरित्रवान को मिलेगा। '

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-14 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

21 को जयपुर में 'रन फॉर विकसित राजस्थान

राजस्थान के गांव-ढाणी को फिट इंडिया मुहीम से जोड़ेंगे : शासन सचित पवन

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान सरकार अब फिट इंडिया मूवमेंट की तर्ज पर फिट राजस्थान अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। युवा मामले और खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि प्रदेश का हर नागरिक रोज कम से कम आधा घंटा फिटनेस को समय दे। इस सोच के साथ फिटनेस की डोज आधे घंटे रोज के संदेश को हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए तीन स्तरों पर काम किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से शिक्षा विभाग के साथ एमओयू किया जा रहा है, जिसके तहत सभी स्कूलों में खेल का पीरियड अनिवार्य रूप से लागू होगा। सप्ताह में एक दिन नो बैग डे आयोजित कर छात्रों को खेल और शारीरिक गतिविधियों से जोड़ा जाएगा।

पवन ने बताया कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के दौरान प्रदेश में बैडमिंटन, फुटबॉल, इंडोर स्टेडियम और एथलेटिक्स ट्रैक जैसी कई सुविधाओं का कायाकल्प किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि इवेंट खत्म होने के बाद भी ये सुविधाएं उच्च स्तर पर बनी रहें। इसके साथ ही राजस्थान विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध कॉलेजों में भी खेल सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। जो भविष्य में प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिया काफी फायदेमंद साबित होगा।

16 लाख से ज्यादा लोग जुड़े

फिट इंडिया की सहायक निदेशक निशा विधार्थी ने बताया कि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत अब तक 51 शहरों में 16 लाख से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं, यह अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में संयुक्त शासन सचिव राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सचिव नीतू बारूपाल सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

यूथ गेम्स का आयोजन होगा

उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया की लीगेसी को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन करेगी। जिसमें युवाओं को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका मिलेगा। जिसमें गांव, ढाणी से लेकर शहर तक आयोजन होंगे। इसके बाद हर उम्र के खिलाड़ियों को प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। पवन ने बताया कि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत 21 दिसंबर को जयपुर में रन फॉर विकसित राजस्थान का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल होंगे। इसके अलावा संडे ऑन साइकिल जैसे कार्यक्रमों के जरिए भी फिटनेस का संदेश भी दिया जाएगा।

जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने स्तर पर नियमित रूप से शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। इस क्रम में उन्होंने अधिकारियों एवं अधीनस्थ कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने बताया कि आगामी सप्ताह में वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी तत्काल प्रभाव से शुरू करने के निर्देश सभी विभागों को दिए गए। इस अवसर पर 17 दिसंबर से 24 दिसंबर तक ग्रामीण सेवा शिविर के फॉलोअप कैंप आयोजित भी किए जाएंगे, जिनमें जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिला कलेक्टर ने विभागीय निरीक्षणों को नियमित, प्रभावी एवं पारदर्शी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए । उन्होंने शहरी क्षेत्र में घूम रहे

निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में भेजने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। जलदाय विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि पेयजल पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की समय पर मरम्मत करवाई जाए, जिससे आमजन को असुविधा न हो। बैठक में खाद्य एवं उर्वरक की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई।

जिला कलेक्टर ने कहा - शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

इसके साथ ही उन्होंने ई-फाइलिंग की नियमित मॉनिटरिंग कर निर्धारित समयसीमा में निस्तारण सुनिश्चित करने तथा कार्यालय परिसर में साफ-सफाई और रखरखाव की व्यवस्था मजबूत करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र शर्मा सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रहरी सीधी भर्ती परीक्षा: 18 दिसंबर से होगी शारीरिक दक्षता परीक्षा, प्रवेश पत्र जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा कारागार विभाग की प्रहरी सीधी भर्ती परीक्षा-2024 के अगले चरण के तहत शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) एवं शारीरिक मापदण्ड परीक्षा (PST) की तिथि घोषित कर दी गई है। बोर्ड की विज्ञप्ति संख्या 17/2024 दिनांक 11 दिसंबर 2024 के अनुसार लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर रिक्तियों की संख्या के दस गुना (प्रवर्गानुसार) अभ्यर्थियों को शारीरिक परीक्षा के लिए पात्र माना गया है। अभ्यर्थियों की PET/PST परीक्षा दिनांक 18 दिसंबर 2025 से कारागार प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर में आयोजित की जाएगी। पात्र अभ्यर्थी 04 दिसंबर 2025 से अपना प्रवेश पत्र विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक से डाउनलोड कर सकेंगे। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा के लिए पृथक से प्रवेश पत्र पोस्ट द्वारा प्रेषित नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा संबंधी सूचना एसएमएस एवं ई-मेल के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जाएगी। अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र में उल्लिखित तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित होना होगा।

उपभोक्ता संरक्षण की मेरुदण्ड अधिवक्ता समुदाय है : मील

डॉ राजेन्द्र प्रसाद को याद किया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं ।

उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील के नेतृत्व में 30 दिवसीय ष्टश्वठ्ठह्यह्वद्वह्म'ह्य ड्डश्वद्वष्ठ न्यायोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस 2025 के उपलक्ष्य में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग एवं जिला अभिभाषक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 'उपभोक्ता संरक्षण एवं जागरूकता में अधिवक्तागण का अतुलनीय योगदान' विषयक संगोष्ठी बुधवार को आयोजित हुई।उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने सम्बोधित करते हुए कहा कि उपभोक्ता संरक्षण की मेरुदण्ड अधिवक्ता समुदाय है। जिस प्रकार से डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने देश का नेतृत्व समानतामुलक शासन व्यवस्था लागू कर आम भारतीय के अधिकारों को संरक्षण दिलाने में मुख्य भूमिका निभाई है। वैसे ही वर्तमान समय में अधिवक्ता समुदाय को

उपभोक्ता संरक्षण एवं जागरूकता के लिए पहल करने की महत्ती आवश्यकता है।मील ने जिला अभिभाषक संस्था के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं से आह्वान किया कि पीड़ित उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय दिलाने में सकारात्मक भूमिका निभाएं।मील ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम केवल शिकायतों के निस्तारण का कानून नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा करने में सशक्त न्यायिक व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की भूमिका केवल वकालत तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को न्याय दिलाने और सही जानकारी उपलब्ध कराने में उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी है। जिला अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट सुभाष पूनियां ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हरेक परिस्थितियों में अधिवक्ता समुदाय सजगता से पीड़ितों को न्याय दिलाने में हमेशा अग्रणी रहा है। उपभोक्ता संरक्षण के लिए उपभोक्ता आयोग द्वारा की जाने वाली नई पहल में पूरा सहयोग किया जायेगा। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए एडवोकेट भगवान सिंह शेखावत ने अधिवक्ता समुदाय की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि शासन व्यवस्था से पीड़ितों को राहत दिलाना अधिवक्ता का दायित्व है। जिसे अधिवक्ता समुदाय हमेशा निभाता आ रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अभिभाषक संस्था के पूर्व अध्यक्ष बिरजू सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि देश कि आजादी एवं संविधान निर्माण में अधिवक्ताओं का अतुलनीय योगदान रहा है। वर्तमान समय में भी सीमाओं से परे जाकर भी अधिवक्ता समुदाय की एकता की आवाज़ में हरेक अधिवक्ता हमेशा अग्रणी भूमिका निभाता आ रहा है।जिला अभिभाषक संस्था के सचिव पवन कुमार धौलपुरिया ने आभार व्यक्त किया। उपभोक्ता संरक्षण एवं जागरूकता में अधिवक्तागण का अतुलनीय योगदान विषयक संगोष्ठी में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के सदस्य प्रमेन्द्र कुमार सैनी, पूर्व अध्यक्ष विजय ओला, दिपेन्द्र सिंह, उपाध्याय सुरेश महला, एडवोकेट उम्मेद भाम्बू, कमलेशकुमार, द्वारका प्रसाद वर्मा, किरण बियाला, रविंद्र लाम्बा,कुलदीप सिंह, कृष्ण कुमार शर्मा, अजय स्वामी, मोहम्मद फारूक, राजेश खेदड़, उम्मेद सिंह, विकास कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थिति रहे।

शीतलहर से ठिठुरन, पारा 6 डिग्री तक गिरा:

सीकर, चूरू, झुंझुनूं में कड़ाके की सर्दी; अगले 2 दिन कोल्ड-वेव का अलर्ट

जयपुर

उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं ने राजस्थान में सर्दी बढ़ा दी है। प्रदेश के शेखावाटी क्षेत्र में पारा 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। यहां के सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिले में सुबह-शाम कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक शीतलहर का प्रभाव रहने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटों में सबसे कम न्यूनतम तापमान भी सीकर के फतेहपुर में 3.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। बीकानेर के लूणकरणसर में भी तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

दिन में बढ़ी सर्दी, अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे

राज्य में बुधवार को अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज हुई। प्रदेश के सभी शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। श्रीगंगानगर, फलोदी, बीकानेर, चूरू, करौली और हनुमानगढ़ के इलाकों में अधिकतम तापमान औसत से नीचे दर्ज हुआ। बुधवार को दिन में सबसे ठंडा इलाका सिरोही रहा, जहां का अधिकतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अलवर, सीकर सहित कई जिलों में न्यूनतम तापमान 10 से कम रिकॉर्ड हुआ।

सिंघाना में लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा मनाया गया दिव्यांग दिवस

दिव्यांग महिला व पुरुषों का किया सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी मुकेश सैनी रहे

भीम प्रज्ञा न्यूज़ सिंघाना।

सिंघाना में लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा हायर सेकेंडरी स्कूल के पास दिव्यांग दिवस पर एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनो के आत्मविश्वास को मजबूत करने, उनके हक-अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्ट सदस्यों द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। इसके बाद क्षेत्र के विभिन्न दिव्यांग महिला एवं पुरुषों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट द्वारा उन्हें प्रतीक चिन्ह, शॉल और उपहार देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी मुकेश सैनी ने कहा कि दिव्यांगजन समाज की शक्ति हैं और उन्हें सुविधाओं, अवसरों एवं सम्मान का पूरा अधिकार है। उन्होंने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि समाज को मिलकर इन विशेष व्यक्तियों के लिए अधिक अनुकूल माहौल तैयार करना चाहिए।

अध्यक्षता कर रहे महावीर यादव ठेकेदार ने कहा कि दिव्यांगजन किसी भी तरह से कम नहीं हैं। उचित सहयोग और सकारात्मक माहौल मिले तो वे हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने ट्रस्ट के सेवा कार्यों को सराहनीय बताया। ट्रस्ट प्रभारी नरेंद्र स्वामी ने संगठन द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक कार्यों, सेवा गतिविधियों, स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य समाज में जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। कार्यक्रम में मुन्ना राजोरा, शबीर खान, संजय भाता लोहार सहित कई गणमान्य लोग, ट्रस्ट सदस्य, छात्र तथा ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने दिव्यांगजनों के साथ संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। समारोह ने समाज में संवेदना, सहयोग और समानता का सुंदर संदेश दिया।

बीजेपी की कार्यकर्ता सुनवाई में आमजन की नो-एंट्री पर विवाद: कई लोग पदाधिकारियों से उलझे, कई निराश लौटे, बीजेपी ने दोहराया-यह जनसुनवाई नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । प्रदेश बीजेपी कार्यालय में बुधवार को हुई कार्यकर्ता सुनवाई में आमजन भी अपनी समस्या लेकर पहुंचे। लेकिन यहां उन्हें एंट्री नहीं मिली। इसके बाद कई लोगों ने खुद को बीजेपी का कार्यकर्ता बताया। लेकिन उनकी एप्लीकेशन पर किसी भी बीजेपी पदाधिकारी की सिफारिश नहीं थी। ऐसे में उन्हें कार्यकर्ता सुनवाई में नहीं जाने दिया गया। इस पर कई लोग बीजेपी पदाधिकारियों से उलझ भी गए। बीजेपी कार्यालय

प्रभारी मुकेश पारीक ने साफ किया कि जो भी बीजेपी कार्यकर्ता कार्यालय में अपनी समस्या लेकर आता है। वह मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी या प्रदेश पदाधिकारी की अनुशंसा करवाकर ही आए। जिससे यह साफ हो सके कि वह बीजेपी कार्यकर्ता हैं। बीजेपी कार्यालय में बुधवार को चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और राज्य मंत्री मंजू बाघमार ने कार्यकर्ता सुनवाई की। इस मौके पर आमजन भी अपनी समस्या लेकर कार्यालय पहुंचे। लेकिन एंट्री नहीं मिली।

शिक्षाविद् स्व. डॉ.बी.एल.मेहरड़ा, पूर्व (IAS) की

छठवी पुण्यतिथि पर आयोजित

कवि सम्मेलन एवं OBASTACLE(NDA ट्रेनिंग) एरिया का उद्घाटन समारोह

05 दिसम्बर 2025, शुक्रवार प्रात: 10.15 बजे

:: समारोह स्थल ::
डॉ. बी.एल.मेहरड़ा स्मृति पार्क, बी.एल.एम. इंजिनियरिंग कॉलेज
विनोदिनी पी.जी. कॉलेज के सामने, राजोता (खेतड़ी) जिला झुन्झुनूं

आमंत्रित कवि
सम्पत सरल — भारत के सुप्रसिद्ध हास्य एवं व्यंग्य कवि
अशोक चारण — वीर रस के सुप्रसिद्ध युवा कवि

:: मुख्य अतिथि ::
प्रो. (डॉ.) अनिल राय
कुलपति पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर, राजस्थान

:: अति विशिष्ट अतिथि ::
डॉ. अरूण गर्ग
जिला कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट, झुन्झुनूं

:: विशिष्ट अतिथि ::
श्री बृजेश उपाध्याय
पुलिस अधीक्षक, झुन्झुनूं
श्री भागीरथ शाख
अतिरिक्त जिला कलेक्टर, नीमकाथाना

:: अध्यक्षता ::
डॉ. संजीवनी मेहरड़ा (MD, MS)
Medical Director
Homeland Security Hospital, USA

:: अध्यक्षा ::
श्रीमती विनोदरानी मेहरड़ा
खेतड़ी विकास समिति, खेतड़ी

:: सचिव ::
डॉ. अमित मेहरड़ा
खेतड़ी विकास समिति, खेतड़ी

स्व. डॉ.बी.एल.मेहरड़ा साहब द्वारा स्थापित संस्थाएं :
1. विनोदिनी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजोता (स्थापित - 1986)
2. माता केशरी देवी महिला महाविद्यालय, खेतड़ी (स्थापित - 1995)
3. एम.के.एम. इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर (स्थापित - 1996)
4. संजीवनी कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साईसेज, राजोता (स्थापित - 1998)
5. बी.एल.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड पैरामेडिकल साईसेज, जयपुर (स्थापित - 2004)
6. माता केशरी देवी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, राजोता (स्थापित - 2005)
7. माता केशरी देवी बी.एस.टी.सी. (डी.एल.एड.) महाविद्यालय राजोता, खेतड़ी (स्थापित - 2008)
8. बी.एल.एम. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जयपुर (स्थापित - 2009)
9. बी.एल.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट साईसेज, राजोता (स्थापित - 2010)
10. बी.एल.एम. प्रा. आई. टी. आई., राजोता (स्थापित - 2014)
11. बी.एल.एम. कॉलेज ऑफ फार्मेसी, राजोता (स्थापित-2019)
12. KABIRA MOBILITY PRIVATE LIMITED, GOA (ESTD. 2022)
13. SAMYUKTA SMART SOLUTIONS (OPC) PRIVATE LIMITED, JAIPUR (ESTD. 2022)
14. एम.के.एम. पब्लिक स्कूल, खेतड़ी (स्थापित - 2023)
15. उत्कर्ष अध्ययन केन्द्र, राजोता व खेतड़ी (स्थापित - 2023)
16. SAMYUKTA REAL ESTATE HOTELS AND RESORTS LLP, JAIPUR (ESTD. 2023)
17. बी.एल.एम. कम्प्यूटर एजुकेशन सेन्टर, राजोता व खेतड़ी (स्थापित - 2024)
18. उन्नत भारत अभियान, प्रतिभागी समन्वय महाविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान जोधपुर

आयोजक : खेतड़ी विकास समिति, खेतड़ी

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मयार्दा'

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम 'असामान्य' है और 'स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर' है।

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि 'दुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता'। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन– 'समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता', को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी 'कूटनीतिक संवेदनशीलता' के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को 'नोट' किया है।

देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल 'असामान्य' ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मयार्दाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता–विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील

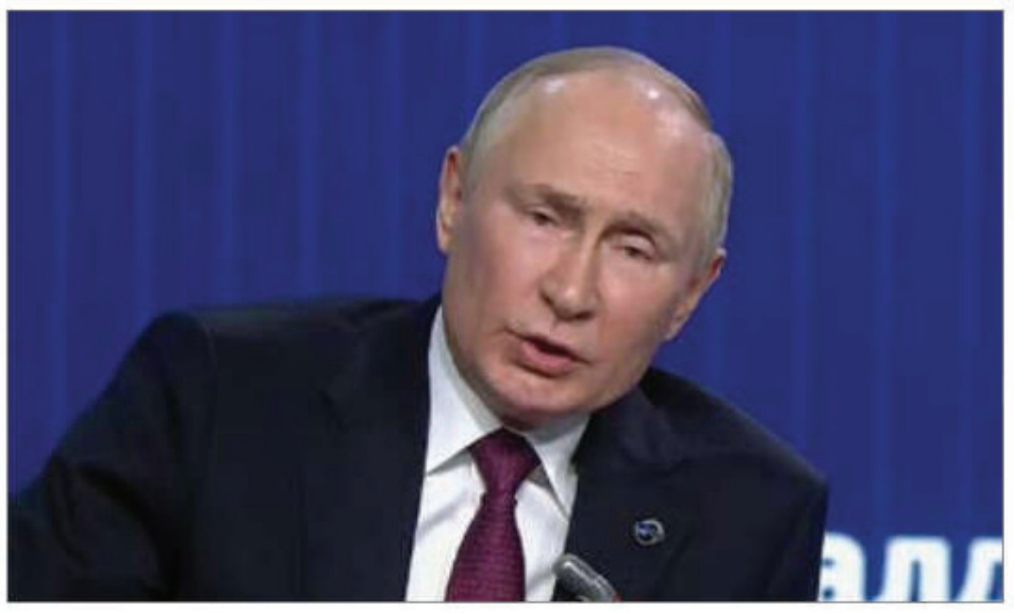

द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत-रूस निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारत-रूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएँ कर चुके हैं। मगर वहाँ तैनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उत्तर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केंद्रीय भूमिका से जुड़ा है। यूरोपीय देश भली-भाँति जानते हैं कि भारत आज ग्लोबल साउथ की सबसे प्रभावशाली आवाज है और ऊर्जा व सुरक्षा संतुलन में उसकी स्थिति निर्णायक है। इसलिए भारतझरूस संबंधों की निरंतरता पश्चिम की दीर्घकालिक रणनीतियों को प्रभावित करती है। इसी संवेदनशीलता के चलते यूरोपीय दूतों ने यहाँ एक असामान्य सार्वजनिक हस्तक्षेप को चुना, जो यह दशार्ता है कि भारत की रूस-नीति को लेकर पश्चिम में विशेष चिंता है, भले ही वे इसे औपचारिक रूप से स्वीकार न करें। बहरहाल, तीनों यूरोपीय राजदूतों द्वारा की गई इस कूटनीतिक अशिष्टता पर भारत को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। एक ओर, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी किसी बाहरी बयानबाजी से प्रभावित न हो; दूसरी ओर, मेजबान देश होने के नाते भारत को यह सुदृढ़ संदेश भी देना आवश्यक है कि कूटनीतिक मयार्दाओं का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक डिमार्श या कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण माँगना ऐसा कदम हो सकता है जो नियमों को रेखांकित करे बिना विवाद को बढ़ाए। इससे न केवल रूस को यह आश्वासन मिलेगा कि भारत अपने साझेदारों के प्रति सम्मानजनक और स्थिर रुख रखता है, बल्कि भारत में तैनात सभी देशों के राजनयिक समुदाय को भी यह स्पष्ट संकेत मिलेगा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी संवेदनशील द्विपक्षीय घटना पर टिप्पणी करते समय वियना संधि की भावना और मेजबान देश की कूटनीतिक परंपराओं का पालन अनिवार्य है। इस संतुलित प्रतिक्रिया से भारत अपने हितों की रक्षा भी करेगा और कूटनीतिक अनुशासन की गरिमा भी बनाए रखेगा।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'सम्मान की नई परिभाषाः नशे का बढ़ता ग्लैमर और संयम का घटता मूल्य'

हम किस दिशा में जा रहे हैं? यह सवाल आज हमारे समाज से पहले से कहीं अधिक मजबूती से पूछा जाना चाहिए। एक चिंताजनक दृश्य आजकल हर शादी-समारोह, सामाजिक आयोजन और सामुदायिक मिलन में साफ़ दिखाई देने लगा है–नशा करने वालों को विशेष तवज्जो और सम्मान मिलना, जबकि संयमी लोगों को पीछे धकेल दिया जाता है। यह सिर्फ़ एक सामाजिक गलती नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य पर गंभीर चोट है। मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहाँ बुराई का ग्लैमर बढ़ रहा है और संयम, नैतिकता तथा सादगी के मूल्य लगातार नीचे गिरते दिखते हैं। समाज की यह उलट दिशा हमें सोचने पर मजबूर कर रही है कि आखिर क्यों हम गलत चीज़ों को सम्मान का प्रतीक मानने लगे हैं? नशा - समाज का नया 'स्टेटस सिंबल'? नशा करना कभी शर्म की बात माना जाता था। लेकिन आज? शादी और आयोजनों में शराब की बोतलें लोगों के हाथों में नहीं, बल्कि मेहमानों की 'पहचान' बन चुकी हैं। जो जितना अधिक पी ले–उसे उतना ही 'बिंदास', 'मॉडर्न' या 'स्टाइलिश' माना जाने लगा है। दूसरी ओर, जो युवा या बुजुर्ग शराब के पास भी नहीं जाना चाहते–उन्हें लोग या तो 'कंजूस' कहते हैं, या 'रूढ़िवादी'। यह विडंबना नहीं तो क्या है? क्या हम ऐसे समाज की कल्पना कर रहे हैं जहां नशा सम्मान देता है और संयम शर्मनाक माना जाता है? यदि हाँ, तो हम एक बहुत बड़े सामाजिक पतन की ओर बढ़ रहे हैं।

सम्मानित लोग पीछे, नशेबाज़ आगे - यह कैसा न्याय?

कई बार हम देखते हैं कि शराब पीने वालों के लिए अलग स्टॉल, खास बैठने की जगह, उनकी 'सेवा' में लगे युवा, और उनके लिए विशेष व्यंजन सब कुछ उपलब्ध कराया जाता है। वहीं संयमी लोगों के लिए न तो कोई विशेष व्यवस्था होती है और न ही उन्हें प्राथमिकता का एहसास कराया जाता है।सबसे दर्दनाक दृश्य तब होता है जब 50-60 साल के बुजुर्ग सम्मानित लोग युवा नशेड़ियों की सेवा करते दिखते हैं।

क्या यह हमारी संस्कृति है?

क्या यह हमारा मूल्य-तंत्र है?

क्या यह भारत की वह परंपरा है जहाँ बुजुर्गों को देवतुल्य माना जाता था? जब हम गलत लोगों को तवज्जो देना शुरू कर देते हैं, तो सही लोग धीरे-धीरे हाशिये पर जाने लगते हैं। और यही आज हो रहा है। युवाओं पर सबसे गहरा असर समस्या सिर्फ आज के आयोजनों और उनकी व्यवस्थाओं की नहीं है। सबसे गहरा घाव उन युवा बच्चों और किशोरों पर पड़ रहा है, जो यह सब देखकर बड़ा हो रहे हैं।

वे यह सीख रहे हैं कि– 'सम्मान नशे से मिलता है, संस्कार से नहीं।' एक बच्चा यह देखकर क्या सीखेगा कि शराब के नशे में धुत लोग सम्मान की कुर्सी पर बैठे हैं और संयमी लोग पीछे खड़े हैं? क्या यह समाज आने वाली पीढ़ी को संस्कार दे रहा है या भ्रम नशा कभी किसी व्यक्ति को ऊंचा नहीं उठाता– यह व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों को नीचे धकेलने वाला दलदल है। लेकिन यदि समाज यह दिखाएगा कि नशा ही प्रतिष्ठा देता है, तो युवा किस दिशा में जाएंगे?

समाज को खुद से पूछना होगा - हम किस ओर जा रहे हैं? समाज परिवर्तन सिर्फ बड़े आंदोलनों से नहीं आता। कई बार परिवर्तन छोटे-छोटे व्यवहारों से शुरू होता है। आज की यह प्रवृत्ति–नशेबाज़ों को सम्मान देना–एक ऐसा ही व्यवहार है, जिसकी अनदेखी आने वाली पीढ़ी को भारी पड़ेगी।

कुछ सवाल हम सबको स्वयं से पूछने चाहिए। क्या हमें नशा करने वालों को ही सम्मान देना चाहिए? क्या संयमित और संस्कारी लोग अपमान झेलते रहेंगे? क्या हमारे कार्यक्रमों में शराब ही पहली प्राथमिकता बनेगी? क्या हम युवाओं को यही सीख देंगे कि नशा ही प्रतिष्ठा है? यदि हम इन सवालों से डरकर चुप रहे, तो हमारी चुप्पी समाज को गलत दिशा में ले जाएगी। समाज को बदलने का समय - अभी और यहीं। परिवर्तन कभी भीड़ से नहीं आता। परिवर्तन अकेले व्यक्ति से आता है, जो कहने का साहस रखता है–

'गलत को गलत कहना है। ' हर आयोजन, हर परिवार और हर समुदाय को यह निर्णय लेना होगा कि– सम्मान नशे का नहीं, व्यक्तित्व का होगा। तवज्जो संयमित लोगों को मिलेगी, नशेबाज़ों को नहीं। हमारा समाज संस्कारों से चलेगा, नशे से नहीं। जब आयोजक यह सोच बनाएंगे, तब बच्चे और युवा भी यही सीखेंगे कि– सम्मान संस्कृति से मिलता है, अभिमान नशे से नहीं। नशे का ग्लैमर नहीं– संस्कारों की गरिमा बढ़ाएं। आज जरूरत है एक नई सामाजिक क्रांति की। नारे की नहीं, व्यवहार की क्रांति। जिन्हें नशे से परहेज़ है–उन्हें सम्मानित अतिथि बनाइए। जो संयमी हैं–उन्हें आगे बैठाइए जो चरित्रवान हैं–उन्हें मंच पर बुलाइए।

हर लहर पर तिरंगा : नौसेना का अदम्य जोश और जज्बा

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय नौसेना का इतिहास 1612 में शुरू हुआ था, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने हितों की रक्षा के लिए समुद्री बल का गठन किया था। समय के साथ यह बल भारतीय नौसेना के रूप में विकसित हुआ। 1950 में रॉयल इंडियन नौसेना का नाम बदलकर भारतीय नौसेना रखा गया। भारतीय नौ सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में गिनी जाती है, हर साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाते हुए भारत का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। यह दिन कैलेंडर पर सिर्फ.एक तारीख नहीं है, यह हमारे नौसैनिक योद्धाओं की अटूट भावना और बेमिसाल साहस का प्रतीक है ' भारतीय नौसेना दिवस, नौसेना की बहादुरी, और समर्पण का सम्मान करता है। यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता की स्मृति में मनाया जाता है, जब 4 दिसम्बर 1971 भारत-पाक युद्ध के दौरान नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसेना मुख्यालय को सफलतापूर्वक निशाना बनाया था, इस अभियान का नेतृत्व कमोडोर के.पी. गोपाल राव ने किया था, जिसमें आईएनएस वीर, आईएनएस निपट और आईएनएस निर्घट जैसे मिसाइल बोट्स का उपयोग कर तीन पाकिस्तानी जहाजों को डुबो दिया गया और भारी नुकसान पहुंचाया गया था ' इस हमले में पाकिस्तान के लगभग 300 सैनिक मारे गए और 700 घायल हुए थे ' इस ऑपरेशन को ऑपरेशन ट्राइडेंट के नाम से जाना जाता है ' इस हमले में पाकिस्तान को बहुत भारी नुकसान हुआ था, कराची बंदरगाह के ईंधन भंडार को काफी नुकसान हुआ था ' कहा जाता है कि इस हमले का आदेश बंद लिफाफे में नौसेना के पास पहुंचा था ' भारत ने अपने तीन युद्धपोतों आईएनएस निपत, आईएनएस निरघट और आईएनएस वीर की सहायता से कराची बंदरगाह पर हमला किया, भारत से युद्धपोत गुजरात के ओखा पोर्ट से पाकिस्तान के लिए दोपहर 2 बजे रवाना हुए थे ' भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के पीएनएस खैबर, पीएनएस शाहजहां और पीएनएस मुहाफिज की जलसमाधि बना दी थी ' चूंकि पूर्व और पश्चिम पाकिस्तान के बीच एकमात्र लिंक समुद्र के रास्ते था, इसलिए भारत ने पाकिस्तान की समुद्री क्षमता पर प्रहार करने का फैसला किया ' पाकिस्तान के पास रात के लड़ाकू विमान नहीं थे, इसलिए सूर्यास्त के बाद ऑपरेशन को अंजाम दिया गया ' इस हमले ने पाकिस्तान के प्रमुख ईंधन भंडार और गोला-बारूद के भंडार को नष्ट कर दिया ' हमलावर जहाजों के समूह को किलर स्क्वाड्रन के रूप में जाना जाता है ' युद्ध 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाकिस्तान की मुक्ति के साथ समाप्त हुआ, जिसे अब बांग्लादेश के रूप में जाना जाता है ' इस ऑपरेशन की सफलता बड़ी इसलिए भी मानी जाती है क्योंकि कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया था, साल 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में पहली बार पाकिस्तानी जहाज पर एंटी-शिप मिसाइल से हमला किया गया था ' ऑपरेशन ट्राइडेंट के ठीक तीन दिन बाद ऑपरेशन पायथन किया गया ' हमले में फिर से कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया, जबकि ऑपरेशन पाकिस्तानी बेड़े के टैंकर पीएनएस ढाका को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहा ' भारतीय नौसेना का प्राथमिक उद्देश्य समुद्री सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ आवश्यकता के समय सद्भावना यात्राओं और मानवीय मिशनों को पूरा करके देश के द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने में सहायता करना है ' हर साल, नौसेना दिवस भारत के नौसैनिक बल की वीरता, उपलब्धि और भूमिका की कहानी कहते हैं '

यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की शानदार सफलता को याद करने का दिन है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध में समुद्री युद्ध को फिर से परिभाषित करने वाला एक साहसी मिशन था। इस अद्वितीय बहादुरी के कार्य ने न केवल युद्ध को भारत के पक्ष में झुका दिया, बल्कि समुद्री इतिहास के पन्नों में भारतीय नौसेना का नाम भी दर्ज कर दिया। नौसेना दिवस सिर्फ. अतीत के गौरव का स्मरणोत्सव नहीं है। यह वर्तमान संकल्प और भविष्य की आकांक्षाओं के धागों से बुना गया एक जीवंत चित्रपट है। यह हमारी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, हमारे व्यापार मार्गों की सुरक्षा और हमारे द्वीप क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता को स्वीकार करने का दिन है। यह हमारे महासागरों को सुशोभित करने वाले तकनीकी चमत्कारों पर आश्चर्यचकित होने का दिन है - चुपके से चलने वाली पनडुब्बियां, भव्य विमान वाहक, फुर्तीले विध्वंसक और गहरे सागर के मूक रक्षक - ये सभी भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति के प्रमाण हैं। नौसेना दिवस उन पुरुषों और महिलाओं के बारे में भी है जो इन मशीनों के पीछे मजबूती से खड़े हैं। यह उनके अटूट समर्पण, उनके अथक प्रयासों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में उनके अदम्य साहस के बारे में है। यह उन परिवारों के बारे में है जो उनके साथ खड़े हैं, ताकत और अटूट समर्थन का एक मूक स्तंभ हैं। इस दिन को मनाते हुए, आइए हम उन लड़ी गई लड़ाइयों और विजय को याद करें। आइए हम शहीद हुए वीरों का सम्मान करें और उन लोगों की अदम्य भावना को सलाम करें जो हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा करना जारी रखते हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आत्महत्या करते विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन'

निर्मल रानी

मतदाता सूची के संशोधन के लिए देश के कई राज्यों में चलाया जा रहा विवादित विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) इन दिनों काफी चर्चा में है। एसआईआर को लेकर कथित तौर पर बरती जा रही अनियमितातयें तो चर्चा में हैं ही साथ ही इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के मामले भी सुर्खियों में हैं। अलग अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर-दिसंबर 2025 में कम से कम 12 से 20 बीएलओ ने आत्महत्या की है, जबकि आत्महत्या सहित हार्ट अटैक व स्ट्रोक आदि से 30 से अधिक बीएलओ की मृत्यु होने का समाचार है। आत्महत्या करने वाले कई बी एल ओ ने भले ही अपने सुसाईड नोट या आत्महत्या से पूर्व जारी अपने वी डी ओ सन्देश में स्पष्ट रूप से काम के भारी दबाव व तनाव की बात क्यों न की हो परन्तु चुनाव आयोग इन मौतों को एसआईआर से जोड़ने से इंकार करता है और इन्हें 'अन्य प्रकार के मामले' बताता है। आयोग ने इन मौतों को लेकर कुछ विपक्षी दलों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को 'राजनीतिक' करार देते हुये कहा है कि ये मौतें एसआईआर प्रक्रिया से सीधे जुड़ी नहीं हैं, और अधिकांश मामलों की जांच चल रही है।

बहरहाल एसआईआर प्रक्रिया व इसी दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के सन्दर्भ में एक सबसे अहम बात यह है कि आत्महत्या करने वाले इन बूथ स्तरीय अधिकारियों में अधिकांशतः शिक्षक ही शामिल हैं? बीएलओ आमतौर पर सरकारी स्कूल शिक्षक ही होते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों को ही इस भूमिका के लिए नियुक्त करता है। तो क्या राष्ट्र निर्माण की धुरी समझे जाने वाले शिक्षक समाज की नौबत अब यहाँ तक आ पहुंची है कि उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ रहा है? वह भी किसी गैर शिक्षण संबंधी कार्य का निर्वहन करते हुये? इन घटनाओं ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या देश के 'गुरुजनों' को ऐसी सरकारी ड्यूटी पर लगाना चाहिये जहाँ न केवल उन्हें तनावग्रस्त होना पड़े बल्कि उनकी ड्यूटी के दौरान बाधित होने वाले शिक्षण कार्यों से भी देश के छात्रों का भविष्य प्रभावित हो?

भारत सरकार या चुनाव आयोग की नजरों में शिक्षक की अहमियत क्या है यह तो सरकार व चुनाव आयोग की उदासीनता से बखूबी समझा जा सकता है। परन्तु भारत रत्न ए पी जे अब्दुल कलाम की नजरों में शिक्षक का महत्व क्या है यह विभिन्न अवसरों पर उन्होंने बयान किया है। अब्दुल कलाम शिक्षकों को समाज का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ मानते थे। वे अक्सर कहते रहते थे कि 'शिक्षक राष्ट्र-निमार्ता होते हैं" कलाम साहब कहते थे कि 'शिक्षक वो नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्य ठूँसे, बल्कि एक अच्छा शिक्षक वो है जो छात्र के दिमाग में रचनात्मकता की लौ जलाए। शिक्षक का काम सिर्फ. पढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों के अंदर सपने जगाना और उन्हें पंख देना है।' कलाम साहब का मानना था कि 'अगर कोई देश भ्रष्टाचार-मुक्त और सुन्दर मन वाला समाज चाहता है, तो मुझे पूरा यकीन है कि समाज के तीन सदस्य इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं झ माँ, पिता और गुरु।' यहाँ तक कि शिलांग में अपने जीवन के अंतिम क्षणों में दिये गये अपने अंतिम भाषण में भी उन्होंने अपनी एक स्मृति का उल्लेख इन शब्दों में किया था - 'मुझे याद है मेरे शिक्षक ने कहा था - अगर तुम अच्छे शिक्षक बनो, तो तुम्हारा छात्र तुम्हें पार कर जाएगा। मैंने यही किया और आज मेरा छात्र (वे IIM शिलांग के छात्रों की ओर इशारा कर रहे थे) मुझे पार कर जाएगा। यह शिक्षक का सबसे बड़ा इनाम है। ह्व कलाम साहब के लिए शिक्षक कोई नौकर नहीं, बल्कि वह राष्ट्र की आत्मा को गढ़ने वाले माली के समान है। वे मानते थे कि एक अच्छा शिक्षक पूरे देश के भविष्य को बदल सकता है। शायद यही वजह थी कि वे स्वयं को भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति या मिसाईल मैन कहलवाना नहीं बल्कि प्रोफेसर कहलाना ज्यादा पसंद करते थे।

इस सन्दर्भ में हरियाणा सरकार के हाल ही में लिये गये उस फैसले की प्रशंसा करना जरूरी है जिसमें राज्य सरकार ने शिक्षकों को केवल शिक्षण कार्य और शिक्षण से जुड़ी गतिविधियों तक ही सीमित रखने का आदेश जारी किया है। यह फैसला शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 की धारा 27 के तहत लिया गया है जिसमें चुनाव ड्यूटी, सर्वे, डेटा एंट्री जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त कर केवल स्कूलों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। खबर तो यह है कि यह आदेश वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। परन्तु यदि हरियाणा सहित देश के सभी राज्य इस प्रकार के स्थाई आदेश जारी करें तो सम्भवतः चुनाव, एसआईआर या जनगणना जैसे अन्य विभागों के काम के बोझ से दबकर आत्म हत्या किये जाने जैसी खबरों पर जरूर विराम लग सकेगा। परन्तु बड़े आश्चर्य की बात है कि 'गुरु ' को लेकर तरह तरह के उपदेश देने व उनके सम्मान का दिखावा करने वाली सरकारों ने आज गुरु को उस अंजाम तक पहुंचा दिया है जहां उन्हें आत्म हत्या करनी पड़ रही है? आज क्यों नहीं याद आती सरकार को संत कबीर दास की वह वाणी जिसमें उन्होंने कहा था कि -'गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय। । अर्थात गुरू और गोबिंद (भगवान) एक साथ खड़े हों तो किसे प्रणाम करना चाहिए - गुरू को अथवा गोबिन्द को? ऐसी स्थिति में गुरू के श्री चरणों में शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। या फिर संत कबीर के ही यह वचन कि -गुरू बिन ज्ञान न उपजै, गुरू बिन मिलै न मोष। गुरू बिन लखै न सत्य को गुरू बिन मिटै न दोष। । अर्थात - हे सांसरिक प्राणियों। बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है।

तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों मे जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरू ही हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता। उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ। गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे। परन्तु कितना दुःखद है कि गुरु पूर्णिमा व शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु सम्मान का दिखावा करने वाली आज की सरकारों के दौर में विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन ' स्वयं आत्महत्या करते दिखाई दे रहे हैं?

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर झुंझुनूं में हुआ सम्मान समारोह

अन्तर्राष्ट्र दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर जिलें के सर्वश्रेष्ठ विशेष योगयजनों एवं विशेष योगयजनों के कल्याणार्थ क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तित्तो को जिला स्तर सम्मानित करने हेतु समारोह का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

जिले के श्रेष्ठ दिव्यांगजन एवं सहयोगियों को किया गया सम्मानित

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 2025 के अवसर पर बुधवार को शहीद रामदेव करणीराम पार्क में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग झुंझुनूं तथा राजस्थान दिव्यांग सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भांबू रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी ने की। विशिष्ठ अतिथियों में सीएमएचओ छोटेलाल गुर्जर, समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया, विजय गोपाल मोटासरा एवं संस्थान के अध्यक्ष पृथ्वीराज गुर्जर शामिल रहे। समारोह में जिले के श्रेष्ठ दिव्यांगजन खिलाड़ियों सचिन वर्मा, पवन कुमार शर्मा एवं विमल कुमार को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही दिव्यांगजन कल्याण हेतु महत्वपूर्ण कार्य करने वाले व्यक्तियों महेश कुमार (चाइल्डलाइन समन्वयक), होशियार सिंह (परमहंस दिव्यांग सेवा संस्था) एवं विनोद सैनी (आशा का झरना) को भी प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए गए। वहीं राजस्थान दिव्यांग सेवा संस्थान की ओर से मेधावी दिव्यांग छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन राशि व स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए। उपस्थित दिव्यांगजनों को रजाईं, गद्दे, गर्म वस्त्र, कोट एवं जूते आदि सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का अधिक से अधिक पात्रजन लाभ लें। उन्होंने जिले में दिव्यांगजनों के लिए बाधामुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. गुर्जर ने जिले में दिव्यांगजनों हेतु यूडीआईडी कार्ड बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए हेल्पलाइन नंबर एवं अपना व्हाट्सएप नंबर उपलब्ध कराया, जिससे किसी भी दिव्यांगजन को प्रक्रिया में समस्या नहीं आए। पीरामल फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित दिव्यांगजनों को समावेशी शिक्षा, व्यवसायिक प्रशिक्षण एवं स्कूली शिक्षा संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कृष्ण कुमार यादव, अनिल सैनी, राजीव कुल्हार तथा राजस्थान दिव्यांग सेवा संस्थान से राकेश सिरोवा, बाबूलाल कुमावत, अंशिका, नेहा, अदम्या एवं नवनीत सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

फतेहाबाद में दिव्यांग समावेशन को बढ़ावा देने के लिए डीएलएसए द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) द्वारा दिव्यांग समावेशी समझ को बढ़ावा देना विषय पर स्थानीय विश्वास पुनर्वास केंद्र तथा हांसपुर रोड पर स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर वृद्ध आश्रम में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता सुभाष जांगू व सुमन लता ने उपस्थिजन को कानूनी पहलुओं व उनके अधिकारों की जानकारी देकर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सभी के लिए समान गरिमा और अवसर को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। पैनल अधिवक्ता सुभाष जांगू ने कहा कि यह आयोजन सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप एक समावेशी और सुलभ समाज के निर्माण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी व्यक्ति पीछे न छूटे। उन्होंने दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका पूर्ण और प्रभावी समावेशन ही वास्तविक सामाजिक प्रगति की कुंजी है। पैनल अधिवक्ता सुमन लता ने उपस्थित दिव्यांग बच्चों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि समाज का दायित्व है कि वह दिव्यांग बच्चों को न केवल स्वीकार करे, बल्कि उन्हें बेहतर शिक्षा, प्रशिक्षण और सामाजिक सहयोग प्रदान करे। उन्होंने कहा कि जागरूकता और संवेदनशीलता ही वह साधन है, जो दिव्यांग व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अटेली में आर्य समाज दो दिवसीय वार्षिक उत्सव 9 से

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । आर्य समाज का 22 वार्षिक उत्सव पर अटेली की पुराने बस स्टैंड पर दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जानकारी देते हुए अटेली आर्य समाज के प्रधान हरदयाल आर्य ने बताया कि दो दिवसीय आर्य समाज का सममेलन अटेली के मानव भारती स्कूल आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन नौ एवं 10 दिसंबर को होगा। जिसमें हवन यज्ञ के साथ भजनोपदेशक दिया जाएगा। सम्मेलन का उद्घाटन अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार करेंगे। जिसमें मुख्य अतिथि यश देव शास्त्री, भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व सरपंच कुलदीप यादव, जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव रहेंगे। आमंत्रित विद्वान एवं भजनोपदेशक में गौतम खट्टर, हंसानंद हंस, महात्मा यशदेव, हरिशंकर अग्निहोत्री, कैलाश कर्मठ, ओमवीर आर्य, स्वामी समर्पणानंद दड़ौली आश्रम, बहन कलावती आचार्य, पंडित विजय पाल आर्य, राजेंद्र तूफानी उटोली महाशय नंदराम वैध सहित अनेक आर्य समाज व विद्ववान मौजूद रहेंगे। प्रधान हरदयाल आर्य ने बताया कि महर्षि दयानंद के दर्शन को150 वर्ष होने पर समारोह विशेष होगा।

विश्व दिव्यांगता दिवस पर दिव्यांगों ने दिखाई अपनी प्रतिभा, रंगीन हुआ शरबती देवी दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । कस्बे में तलवाड़ रोड पर सरकारी कॉलेज के समीप स्थित शरबती देवी दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र में बुधवार को विश्व दिव्यांगता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आगाज मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पण कर की गई। जहां दिव्यांग बालकों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं सहित फिल्मी गीतों पर जमके ठुमके लगाए। इस दौरान संस्था अध्यक्ष रवि कुमार ने इस दिन के महत्व के बारे में बताया और कहा कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए हमें उनके साथ मिलकर काम करना होगा। उपाध्यक्ष मांगेराम ने सभी बच्चों को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय गायक कलाकार रतिराम महाशय ने अपनी गायकी से समा बांध दिया और सभी दिव्यांग बालकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में वीरपाल, रामावतार सहित स्टाफ सदस्य, अन्य गणमान्य लोग व संस्था के दिव्यांग बालक मौजूद रहे।

गांव तिगरा में दो विकास कार्यो के उद्घाटन हुए

पूर्व सैनिक ने अपनी दादी की याद में गांव के शमशान घाट का प्रवेश द्वार तथा डीएसपी लालचंद की पत्नी ने अपने पति के स्मृति में मंदिर में कमरे का उद्घाटन किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली क्षेत्र के गांव तिगरा में सरकार के अलावा गांव के लोग अपने गांव को सुंदर व सार्वजनिक कार्य का निर्माण कर रहे है। मनोजी फौजी द्वारा अपने गांव में अपनी दादी की याद में शमशान घाट के प्रवेश द्वार का उद्घाटन रिटायर्ड कमांडेंट मोहर सिंह पुत्र स्व. रामजीलाल ने करवाया इसके अलावा बाबा रघुनाथ मंदिर प्रांगण में बने कमरे का उद्घाटन रिटायर्ड डीएसपी दिवंगत लालचंद की स्मृति में उनकी पत्नी शकुंतला देवी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। डीएसपी की पत्नी शकुंतला देवी इस मौके पर भावुक हो गयी तथा कहा कि उसके पति ने पुलिस में सराहनीय कार्य के अलावा सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस मौके पर गांव तिगरा के अलावा आस-पास के गांवों अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। अटेली विकास खंड से आये जेई राकेश कुमार ने फौजी के द्वारा किये गये कार्यो की सराहना की तथा स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इस मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि रिटायर्ड फौजी मनोज कुमार आर्य समाज तिगरा का प्रधान भी है तथा सामाजिक कार्या में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेता है। इससे पहले उनके पूर्वजों ने भी अपनी कमाई का दान पीढ़ी दर पीढ़ी करते आ रहे हैं। फौजी मनोज कुमार ने बताया वह अपनी नेक कमाई से समाज व सार्वजनिक कार्यों पर 10 प्रतिशत राशि हर साल खर्च करते है। पौधरोपण में भी विशेष रूचि रखते है तथा अभी तक लगाये गये 152 पेड़ तैयार हो गये है,पेड़ों की जाली लगाते है। समारोह में इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह साणोली, रिटायर्ड थानेदार लाल सिंह, इंस्पेक्टर जगदीश, सूबेदार किशोरीलाल, राजेंद्र लांबा, पूर्व सरपंच धर्मबीर अटेली, राकेश पेंटर, रिटायर्ड असिस्टेंट कमांडेंट, मोहर सिंह, प्रदीप तिगरा, बाबूलाल, शेर सिंह, हरिराम आर्य, रामनारायण सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

तोदी महाविद्यालय में व्याख्यान माला आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने बुधवार को एमएसी बोटनी व बीएससी बायोलॉजी के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष और ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के वनस्पति विज्ञान के छात्रों को विषय की गहन और अद्यतन जानकारियाँ उपलब्ध कराना था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत ने बताया कि इस महत्वपूर्ण आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. विकास पारीक उपस्थित रहे। डॉ. पारिक ने विद्यार्थियों को विषय से संबंधित कई रोचक और नवीनतम जानकारियाँ प्रदान कीं, जिससे छात्रों का ज्ञानवर्धन हुआ। इस सफल कार्यक्रम का आयोजन वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कांटिया और सुशील कुमार टाक द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक प्रमेन्दर सिंह शेखावत महाविद्यालय सचिव ऐ. के. शर्मा , विज्ञान संकाय प्रभारी डॉ. आनंद शर्मा, समस्त शैक्षणिक स्टाफ सदस्य और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे, जिन्होंने उत्साहपूर्वक व्याख्यान में भाग लिया।

खेजड़ी कटाई के विरोध में पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना 139वें दिन भी जारी

धरना संयोजक रामगोपाल बिश्नोई बोले: सरकार बीकानेर में दिल्ली जैसे हालात पैदा करने पर आमादा, गोचर भूमि पर सोलर प्लांट का करेंगे विरोध

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । पर्यावरण संघर्ष समिति का नोखा दईया स्थित खेजड़ला रोही में चल रहा धरना बुधवार को 504वें दिन में प्रवेश कर गया, जबकि समिति का मुख्य धरना आज 139वें दिन भी जारी रहा। यह विरोध प्रदर्शन खेजड़ी और अन्य वनस्पतियों की कटाई तथा गोचर भूमि पर सोलर प्लांट लगाने की सरकारी नीतियों के विरोध में किया जा रहा है। धरना संयोजक रामगोपाल बिश्नोई ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार दिल्ली के गंभीर प्रदूषण और खराब पर्यावरण हालात से कोई सबक नहीं ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि खेजड़ियों व अन्य वनस्पतियों को कटवा कर सरकार बीकानेर में भी दिल्ली जैसे हालात पैदा करने पर आमादा है। बिश्नोई ने चेतावनी दी कि बीकानेर शहर की चारों तरफ की गोचर भूमि समाप्त कर, उसके बाद की परिधि में सोलर प्लांट लगाकर शहर को 'भट्टी' के रूप में परिवर्तित करने की सरकारी नीति का जोरदार विरोध किया जाएगा। बुधवार को धरने पर शिवदान मेघवाल, चौथाराम सीगड़, परताराम चौधरी, ताहिर खान, रामप्रताप वर्मा, गंगाबिशन सियाग, कॉमरेड मूलचन्द खत्री, रामदेव मेघवाल, मोखराम धायल, महेंद्र भादू, मेघराज रेगर, मूलचन्द जहांगीर, हनुमान काकड़, फारूक भाटी (पूर्व पार्षद), सत्यनारायण कुलड़िया, कमलकिशोर राठी, कैप्टन भाँवरलाल बिशनोई, लिछमण कस्वां, विशाल बिशनोई, राजवीर बिशनोई, रामप्रताप भादू, रामस्वरूप धायल, गंगाबिशन कहीर, गोपाल बेनीवाल, सुनील सैन, मोहरसिंह पचार, रामगोपाल मूण्ड, पीर अमीन शाह, हनुमाना राम बेनीवाल, एडवोकेट रक्षपाल बिशनोई, गोपालसिंह राजपुरोहित, गोपालदास, पूनमराम रिख, गोपाल सियाग पलाना, विजयपाल डेलू और गोपाल सियाग रासीसर सहित अनेक साथी मौजूद रहें।

दौलतसिंहपुरा में अनियमित बिजली सप्लाई के खिलाफ ग्रामीणों का धरना, विभाग ने मांगे मानकर दी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नगर पालिका क्षेत्र के गांव दौलतसिंहपुरा एवं आस-पास की ढाणियों में लंबे समय से जारी अनियमित विद्युत सप्लाई के विरोध में ग्रामीणों ने बुधवार को जीएसएस दौलतसिंहपुरा पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बिजली निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि तय समय पर बिजली सप्लाई नहीं मिलने से खेती-किसानी, पशुपालन और घरेलू कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि रात्रि में तय शेड्यूल के अनुसार बिजली नहीं आती, जिससे किसानों को पूरी रात ठंड में इंतजार करना पड़ता है। दिन में न तो पीने के पानी की व्यवस्था हो पाती है और न ही पशुओं के लिए पानी उपलब्ध हो पाता है। अनियमित सप्लाई के कारण फसल सिंचाई प्रभावित हो रही है और किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही नीमराना के सहायक अभियंता गजेंद्र सिंह यादव एवं विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष रात में निर्धारित समय पर बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने तथा दिन में कम से कम एक घंटे पानी भरने हेतु बिजली उपलब्ध कराने की मांग रखी। विधायक ललित यादव के प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे संजय लंबरदार ने ग्रामीणों व विभाग के बीच वार्ता कराई। बातचीत के बाद सहायक अभियंता द्वारा ग्रामीणों की मांगों पर सहमति व्यक्त की गई, जिसके बाद धरना समाप्त किया गया।

कैंब्रिज किड्स प्ले विद्यालय में 'स्पोर्ट्स मीट' का सफल आयोजन, छात्रों में दिखी टीम-स्पिरिट

सिमनी में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में शिक्षकों ने भी सक्रिय रूप से लिया भाग, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को मिला बढ़ावा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

कैंब्रिज किड्स प्ले विद्यालय ने बुधवार को अपने परिसर में 'स्पोर्ट्स मीट' का भव्य आयोजन किया, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और उत्साहपूर्वक खेल-कूद का आनंद लिया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। स्कूल की प्रिंसिपल, काजल डुडेजा ने स्वागत भाषण में स्पोर्ट्स मीट के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'स्पोर्ट्स मीट का मुख्य उद्देश्य बच्चों में टीम-स्पिरिट, शारीरिक फिटनेस और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है।' उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि इस आयोजन में शिक्षक-समुदाय ने भी सक्रिय भागीदारी की, जिससे छात्रों को अतिरिक्त प्रेरणा मिली। आयोजन के दौरान, न केवल छात्रों ने, बल्कि शिक्षकों ने भी विभिन्न खेलों में हिस्सा लेकर प्रतिस्पर्धा की और खेल भावना का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साह, सहयोग और खेल के नियमों का पालन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। इस स्पोर्ट्स मीट ने विद्यार्थियों को अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ खेलों के महत्व को समझने का अवसर प्रदान किया।

बीकानेर कांग्रेस में ऐतिहासिक बदलाव: मदन गोपाल मेघवाल बने शहर के पहले दलित जिलाध्यक्ष

स्वतंत्रता के बाद पहली बार कांग्रेस ने दलित नेता को सौंपी कमान; देहात और सर्वसमाज में अभूतपूर्व उत्साह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर के राजनीतिक इतिहास में एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार कांग्रेस पार्टी ने एक दलित नेता को बीकानेर शहर कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह सम्मान मदन गोपाल मेघवाल को प्राप्त हुआ है, जिनकी नियुक्ति को सामाजिक और राजनीतिक गलियारों में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। मदन गोपाल मेघवाल बीकानेर शहर के पहले दलित नेता हैं जिन्हें यह शीर्ष संगठनात्मक पद सौंपा गया है। उनकी यह नियुक्ति कांग्रेस पार्टी की समावेशी राजनीति की ओर एक बड़ा कदम मानी जा रही है, जिससे पूरे दलित और शोषित समाज में उत्साह और गौरव का माहौल है। अध्यक्ष पद संभालने के बाद से ही, मेघवाल का स्वागत शहर और देहात क्षेत्रों में बड़े ही धूमधाम से किया जा रहा है। मेघवाल जी जब भी आसपास के गाँवों और देहात क्षेत्रों का दौरा करते हैं, तो समाज के लोग माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत करते हैं। यह स्वागत इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि उनकी नियुक्ति को समाज के निचले तबके में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच उनके साथ सेल्फी लेने का उत्साह भी उनके प्रति बढ़ते हुए जनसमर्थन और जुड़ाव को दर्शाता है। इसी क्रम में, हाल ही में मदन गोपाल मेघवाल नापासर कस्बे पहुँचे। नापासर एक बड़ा और महत्वपूर्ण कस्बा है जहाँ सर्व समाज के लोग निवास करते हैं। उनके आगमन पर वहाँ सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। सर्व समाज के लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिलकर बीकानेर शहर अध्यक्ष श्री मदन गोपाल मेघवाल का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। मेघवाल की यह नियुक्ति शहर और देहात दोनों क्षेत्रों में पार्टी की पहुँच और आधार मजबूत होने की उम्मीद जगाती है।

नरोदडा की सरकारी स्कूल में स्वेटर पाकर खिले नौनिहाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नरोदडा में वरिष्ठ सहायक पद पर कार्यरत अरुण कुमार महला द्वारा अपने पुत्र लक्की महला के जन्म दिन के अवसर पर कक्षा प्रथम से बारहवीं तक के सभी बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। समारोह में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विद्याधर शर्मा थे । ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने 3 लाख 50 हजार रुपए की लागत से पृथक से शौचालय बनाने का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को प्रेषित किया ओर जल्दी ही बनाने की घोषणा की । इस अवसर पर प्राचार्या सावित्री देवी, रामसिंह शिवरान, रामेश्वर सिंह ख्यालिया, धर्मपाल महला, रेसला जिलाध्यक्ष सुभाष महला, श्री राम मूंड, राजेंद्र वर्मा,रामदेव बिरड़ा, आनंद नैन सहित विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित थे।

जानलेवा हमला करने वाले 5 आरोपी पकड़े: महिलाओं पर फब्तियां कसने से रोकने पर की वारदात, गंभीर घायल का जयपुर में इलाज जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

सिंघाना पुलिस ने मैरिज गार्डन संचालक पर जानलेवा हमला करने के आरोप में पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई ग्रामीणों द्वारा आंदोलन की चेतावनी दिए जाने के दो दिन बाद की गई। गंभीर रूप से घायल संचालक का जयपुर में इलाज चल रहा है। सीआई सुगन सिंह ने बताया कि 30 नवंबर को संजीव सैनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, रात करीब दो बजे कृष्णा मैरिज गार्डन का गेट बंद करते समय सिंघाना निवासी आकाश अग्रवाल, बिजू मावर, ईशकपुरा निवासी मोहन गुर्जर और 5-6 अन्य लोग लाठी व सरिया लेकर अचानक गार्डन में घुस आए। इन हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से मैरिज गार्डन मालिक महेंद्र सिंह सैनी पर हमला कर दिया। हमले में महेंद्र सिंह सैनी के सिर, हाथ-पैरों और पीठ पर गंभीर चोटें आईं। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और उनका जयपुर में इलाज चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने थानाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। गठित टीम ने आरोपियों की तलाश में इलाके में दबिश दी। जांच के दौरान सामने आया कि सिंघाना कस्बे के व्यवसायी के बेटे की शादी कृष्णा मैरिज गार्डन में थी। शादी में ढाणा निवासी बलवंत, जो व्यवसायी की दुकान पर काम करता है, ने अपने दोस्त बिरजू, आकाश और सचिन को बुलाया था। खाना खाने के बाद बलवंत और उसके दोस्त हरदोई (यूपी) से आई दुल्हन और उसकी सहेलियों की तस्वीरें लेने लगे और उन पर फब्तियां कसने लगे।

वधू पक्ष की ओर से शिकायत मिलने पर मैरिज गार्डन संचालक महेंद्र सैनी और अन्य ने उन्हें धमकाकर गार्डन से बाहर निकाल दिया। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने लाठियों और सरियों से उन पर जानलेवा हमला कर उन्हें घायल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में ढाणा निवासी बिरजूराम मावर, अभिषेक, बलवंत, ईशकपुरा निवासी बृजमोहन और गोपी बाढ़ड़ा निवासी सचिन कुमार को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में सीआई सुगन सिंह, एएसआई रामपत, एचसी सुरेंद्र नारवाल, कांस्टेबल निहाल सिंह, मोतीलाल और धर्मवीर सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

फतेहाबाद -जिला स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस शिविर के तीसरे दिन सचिव रामजी लाल ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

रेडक्रॉस सोसायटी के साथ जुड़कर मानवतावादी कार्यों को निस्वार्थ सेवा भावना से करने के लिए किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के कुशल मार्गदर्शन में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के महासचिव सुनील कुमार के निर्देशानुसार जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आयोजित किए जा रहे पांच दिवसीय जिला स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस शिविर के तीसरे दिन जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रामजी लाल ने सर जीन हैनरी ड्यूनाट के चित्र पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी एक मानवतावादी संगठन है जो स्वास्थ्य, सेवा और मित्रता का सिद्धांत लेकर आगे बढ़ता है। शिविर के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को रेडक्रॉस सोसायटी की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और विद्यार्थियों को रेडक्रॉस सोसायटी के साथ जुड़कर मानवतावादी कार्यों को निस्वार्थ सेवा भावना से करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी हमेशा जरूरतमंद एवं असहाय लोगों की मदद के लिए प्रयासरत है। सचिव रामजी लाल ने कहा कि इस पांच दिवसीय शिविर में विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ-साथ अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा ताकि प्रतिभागियों को जीवन के हर क्षेत्र में सक्षम बनाया जा सकें। इस शिविर में जिला के 20 विद्यालयों से 100 विद्यार्थी और 20 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। शिविर के दौरान जिला प्रशिक्षण अधिकारी दलबीर सिंह ने प्रतिभागियों को रेडक्रॉस शपथ दिलाते हुए कहा कि हमें निस्वार्थ एवं परोपकार के भाव के साथ स्वास्थ्य, सेवा और मित्रता के संदेश के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर योग अध्यापक सुरेन्द्र कुमार द्वारा विद्यार्थियों को योगा के बारे में जानकारी दी गई। जिला बाल संरक्षण विभाग से एडवोकेट बृजेश कुमार द्वारा विद्यार्थियों को बाल अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

बच्चों के साथ भोजन कर टोहाना के एसडीएम ने मिड-डे मील की गुणवत्ता का किया मूल्यांकन

समैन में शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का एसडीएम ने लिया जायजा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने बुधवार को गांव समैन के सरकारी विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा कर विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मिड-डे मील की गुणवत्ता की जांच की तथा बच्चों के साथ बैठकर भोजन कर स्वयं भोजन की गुणवत्ता और स्वाद का अनुभव किया। उन्होंने शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम आकाश शर्मा ने निरीक्षण के दौरान कक्षाओं का दौरा किया और बच्चों से बातचीत कर उनकी शिक्षा संबंधी प्रगति और सीखने की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने मिड-डे मील की गुणवत्ता की जांच की तथा बच्चों के साथ बैठकर भोजन कर स्वयं भोजन की गुणवत्ता और स्वाद का अनुभव किया। रसोईघर एवं भोजन बनाने वाली जगह की स्वच्छता की बारीकी से जांच की गई। इसी के साथ उन्होंने विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं का भी निरीक्षण करते हुए विद्यालय परिसर की समग्र सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों को समय पर विद्यालय पहुँचने तथा नियमित और प्रभावी कक्षाएं लगाने के निर्देश भी दिए।एसडीएम ने विद्यालय में शौचालयों की स्थितियों का निरीक्षण करते हुए उनके नियमित रखरखाव को आवश्यक बताया। उन्होंने स्वच्छ पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बच्चों के बैठने, खेलने तथा पढ़ने के वातावरण बारे भी संबंधित विभाग को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा।गांव के आंगनबाड़ी केंद्र पर एसडीएम ने बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पोषाहार की गुणवत्ता देखी और स्टाफ से पोषण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग को बच्चों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड और उपस्थिति रजिस्टर को नियमित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए। केंद्र की साफ-सफाई, खेल सामग्री और बच्चों के अनुकूल वातावरण को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एसडीएम ने मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी और उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्टाफ की उपस्थिति की जांच कर सभी कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने और मरीजों के साथ विनम्र व संवेदनशील व्यवहार करने के निर्देश दिए। दवाइयों के स्टॉक, जांच सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी विभागीय कर्मचारियों को पारदर्शिता, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और क्षेत्र में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पिलानी दुष्कर्म मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर शहर में उबाल, भीम आर्मी और संगठनों का विरोध प्रदर्शन

नाबालिग किशोरी के साथ दो वर्षों तक ब्लैकमेलिंग और दुष्कर्म का आरोप; प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कार्रवाई में ढिलाई का लगाया आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

पिलानी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित जनता ने बुधवार को शहर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। भीम आर्मी और विभिन्न सामाजिक संगठनों के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में शामिल लोगों ने पुलिस प्रशासन पर मामले में ढिलाई बरतने का आरोप लगाते हुए तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता और युवा शामिल हुए। प्रदर्शन स्थल पर 'नाबालिग को न्याय दो, दोषियों को सजा दो' जैसे नारे लगाए गए, जो आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग को दर्शाते हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा और इसे और व्यापक रूप दिया जाएगा। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी शिकायत में सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। मां ने बताया कि वह आरोपियों के घर पर साफ-सफाई का काम करती थी और कई बार अपनी नाबालिग बेटी को भी साथ ले जाती थी। आरोप है कि इसी दौरान तीन से चार अधेड़ उम्र के व्यक्तियों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, उन्होंने घटना का वीडियो बनाकर उसे लगातार धमकाया और पिछले दो वर्षों तक ब्लैकमेल कर गलत काम करने पर मजबूर किया। डर और सामाजिक बदनामी के भय से पीड़िता ने लंबे समय तक यह बात छिपाए रखी। हालांकि, मानसिक पीड़ा असहनीय होने के बाद उसने अपनी मां को पूरी जानकारी दी, जिसके बाद परिवार ने पिलानी थाने में मामला दर्ज कराया। मामला दर्ज होने के बावजूद अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे पीड़ित परिवार और स्थानीय नागरिकों में गहरा आक्रोश है।

भीम आर्मी के नेताओं ने नाबालिग के साथ हुई इस घटना को समाज के लिए निंदनीय बताया है। उन्होंने जिला पुलिस प्रशासन से इस मामले में तत्काल कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। इस विरोध प्रदर्शन में अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार विरोधी जिला संघर्ष समिति झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष रामानंद आर्य, महासचिव विकास आल्हा एवं संरक्षक बलवीर सिंह काला सहित जिले के अनेकों कार्यकर्ता नाबालिग को न्याय दिलवाने हेतु शरीक रहे।

आलोक मित्तल या अजय सिंघल में से कोई एक हो सकते हैं हरियाणा के नए डीजीपी

गृहमंत्राल में नई नियुक्ति को लेकर दिखा एक्शन में

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंडीगढ़।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । प्रदेश में नए पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति को लेकर पुलिस विभाग में लॉबिंग तेज़ हो गई है। गृह विभाग इस समय पैनल तैयार करने की प्रक्रिया में जुटा है, लेकिन उससे एक दिन पहले दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में हुए बदलावों ने चर्चाओं कोऔर गर्मा दिया है। आईपीएस अजय सिंघल को एंटी करप्शन ब्यूरो की कमान सौंपी गई है, जबकि आईपीएस आलोक मित्तल को पुलिस आवास निगम का प्रबंध पुलिस आवास निगम का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। मित्तल को एसीबी से हटाए जाने को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहें हैं। फिलहाल, डीजीपी की दौड़ में कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नाम सामने आ रहे हैं, जिनमें अजय सिंघल, आलोक मित्तल और एएस चावला प्रमुख हैं। हालांकि, चर्चाओं का केंद्र यह है कि इन में से सिंघल और मित्तल में से ही किसी एक को हरियाणा का नया डीजीपी बनाया जा सकता है।

नीमराना ब्लॉक के सात स्वास्थ्य संस्थान NQAS मानकों में उत्तीर्ण, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में मजबूत कदम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । ब्लॉक के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है कि यहां के सात स्वास्थ्य संस्थानों ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होकर राज्य स्तर पर अपनी गुणवत्ता साबित की है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश यादव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर (पीएचसी/सीएचसी) श्रेणी में सीएचसी एवं पीएचसी केंद्रों का राज्य स्तरीय गुणवत्ता मूल्यांकन किया गया। इस मूल्यांकन में पीएचसी जैतपुर, सीएचसी कान्हावास, सीएचसी शांतो, सीएचसी घीलोठ, सीएचसी खुंदरोठ, सीएचसी बिचपुरी और सीएचसी रामचंद्रपुरा ने ह्ल्ल मानकों को सफलतापूर्वक पूरा किया। इन संस्थानों ने सेवा प्रावधान, रोगी अधिकारों का संरक्षण, संक्रमण नियंत्रण, स्वच्छता व्यवस्था, रिकॉर्ड प्रबंधन और नैदानिक सेवाओं जैसे प्रमुख बिंदुओं पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। NQAS एक राष्ट्रीय ढांचा है,

जिसे भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसके तहत सुविधाओं का मूल्यांकन वैश्विक मानकों के आधार पर किया जाता है। नीमराना ब्लॉक के सात संस्थानों का चयन इस बात का संकेत है कि क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। चिकित्सा कर्मियों की प्रतिबद्धता और टीम वर्क से हासिल यह उपलब्धि पूरे ब्लॉक के लिए गौरव का विषय है।

समाजसेवी सिंगोदिया की देह पंचतत्व में विलीन, हजारों नमः आंखों ने दी अंतिम विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

जाने-माने समाजसेवी सैनी समाज के सशक्त हस्ताक्षर महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के अध्यक्ष रामावतार सिंगोदिया की देह पंचतत्व में विलीन हो गई । उनके पुत्र सुशील ने मुखाग्नि दी। सिंगोदिया की अंतिम यात्रा निज निवास से रवाना हुई तथा अंतिम संस्कार जैपुरिया श्मशान घाट में किया गया। सिंगोदिया को हजारों नमः आंखों ने अंतिम विदाई दी। सिंगोदिया के निधन का अल सुबह ज्योही पता चला सैनी समाज के प्रबुद्ध सहित प्रवासी उधोगपति शेखावाटी अंचल के प्रबुद्ध जनों ने अपनी संवेदना व्यक्त की तथा कहा कि समाज ने अमूल्य रत्न खो दिया जिसकी कमी वर्षों तक खलती रहेगी। अंतिम संस्कार में बड़ी तादाद में उनके प्रबुद्ध जनों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सांतोर में रू10 लाख की लागत से सीवर लाइन कार्य का शिलान्यास, बुहाना क्षेत्र में विकास को मिलेगी गति

भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरि रहीं मुख्य अतिथि; पूर्व विधायक सुभाष पूनिया ने किया कार्यक्रम की अध्यक्षता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

बुहाना उपखंड के ग्राम सांतोर में बुधवार को 10 लाख रुपए की लागत से प्रस्तावित सीवर लाइन कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। इस सीवर लाइन के निर्माण से गांव की एक प्रमुख और लंबे समय से लंबित आवश्यकता पूरी होने जा रही है। शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष एवं जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरि मौजूद रहीं, जबकि समारोह की अध्यक्षता पूर्व विधायक सुभाष पूनिया ने की। अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधायक सुभाष पूनिया ने कहा कि ग्राम सांतोर के लोगों की यह मांग अब पूरी की जा रही है। उन्होंने जोर दिया कि उनका लक्ष्य है कि गांवों में मजबूत सीवर व्यवस्था, बेहतर सड़कें और स्वच्छता अभियान को गति मिले, ताकि ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार हो सके। समाजसेवी वीर सिंह यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में किसान मोर्चा भाजपा जिला अध्यक्ष रतन सिंह तंवर, पूर्व प्रधान नीता यादव, पार्षद अजय चाहर, मंडल अध्यक्ष महेंद्र जांगिड़, महामंत्री प्रवीण चौधरी, फूलचंद यादव, समाजसेवी अमीलाल बोहरा, रसूलपुर सरपंच सुनित यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश खांदवा, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र भाटिया,सहीराम शिवसिंहपुरा पूर्व सरपंच पचेरी छोटी जसवंत यादव, और नव युवक मंडल सहित अनेक पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बीकानेर के लिए गौरव: खाजूवाला की पूर्व प्रधान सरिता चौहान बनीं प्रदेश कांग्रेस SC विभाग की उपाध्यक्ष

संगठन के प्रति समर्पण का मिला इनाम; नियुक्ति को लेकर जिले के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर जिले के लिए एक बड़ी राजनीतिक खबर सामने आई है। कांग्रेस पार्टी ने खाजूवाला की पूर्व प्रधान और सक्रिय नेता सरिता चौहान को प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) द्वारा अनुसूचित जाति (SC) विभाग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। सरिता चौहान की यह पदोन्नति उनके संगठन के प्रति निरंतर समर्पण, सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और वर्षों की सक्रिय मेहनत का परिणाम है। उनकी नियुक्ति की खबर से बीकानेर जिले और पूरे क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है। सरिता चौहान का राजनीतिक सफर लंबा और अनुभवी रहा है। वह खाजूवाला की प्रधान रह चुकी हैं, जिससे उन्हें जमीनी स्तर की राजनीति और प्रशासन का गहरा अनुभव है। वह लंबे समय से कांग्रेस में एक सक्रिय कार्यकर्ता और पदाधिकारी के रूप में कार्य करती रही हैं और पार्टी की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं।पारिवारिक विरासत की बात करें तो, सरिता चौहान पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री गोविंद राम मेघवाल की पुत्री हैं, जो राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार में मंत्री रह चुके हैं। अपनी नियुक्ति के बाद, सरिता चौहान ने कांग्रेस आलाकमान का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि वह अपनी नई ज़िम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगी। उन्होंने कहा, 'मुझे पूर्ण विश्वास है कि मैं कांग्रेस पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचा कर समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाऊँगी।' उनकी इस महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी से यह उम्मीद की जा रही है कि वह अनुसूचित जाति वर्ग के हितों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगी और प्रदेश स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत करेंगी।

दिव्यांग दिवस पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट का सराहनीय कदम, निःशुल्क पेंशन सत्यापन कैंप का सफल आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

दिव्यांग दिवस के अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा मानव सेवा की भावनाओं को प्रमुखता देते हुए निःशुल्क दिव्यांग पेंशन सत्यापन कैंप का आयोजन किया गया।

शिविर ट्रस्ट के कार्यालय मे आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के दिव्यांगजनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। आयोजित विशेष सेवा शिविर में 35 दिव्यांग लाभार्थियों के पेंशन सत्यापन पूर्णतया निःशुल्क किए गए। ट्रस्ट की ओर से दिव्यांगों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया गया। दिव्यांग दिवस पर इस पहल ने जरूरतमंदों को बड़ी राहत प्रदान की और उन्हें सम्मान एवं सहयोग का संदेश भी दिया।ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि उनका उद्देश्य

दिव्यांग, वृद्ध और विधवा महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से सहयोग प्रदान करना है तथा पेंशन संबंधित सेवाओं को उनके लिए सरल और सुलभ बनाना है। इसी भावना के तहत दिव्यांग दिवस पर पेंशन सत्यापन की यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क रखी गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों के निपटान के लिए फतेहाबाद जिले में प्री-जाइडिंग ऑफिसर व सदस्य नियुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के तत्वावधान में 13 दिसंबर को सुबह 10 बजे जिला मुख्यालय फतेहाबाद, उपमंडल रतिया व टोहाना की न्यायिक परिसरों में चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इन लोक अदालतों में मामलों के निपटान के लिए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने प्री-जाइडिंग ऑफिसर व सदस्य नियुक्त किए हैं। इस बारे जानकारी देते हुए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने बताया कि 13 दिसंबर को सुबह 10 बजे जिला स्तर पर चौथी लोक अदालत में मामलों के निपटान के लिए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवेंदु जैन, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कम मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सुयशा जावा, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कम न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जोगिंद्र जांगड़ा को प्री-जाइडिंग तथा पैनल अधिवक्ता विनोद कामरा, पूनम रानी व अमन भट्टी को सदस्य नियुक्त किया है।

फतेहाबाद जिले के भूना के प्राइवेट स्कूल में छात्राओं से मारपीट की हरियाणा महिला आयोग ने मांगी रिपोर्ट

एसपी,डीईओ व माध्यमिक शिक्षा के निदेशक को पांच दिनों में जांच कर आयोग को रिपोर्ट भेजने के दिये आदेश

भीम प्रज्ञा नृत्टोहाना/भूना।

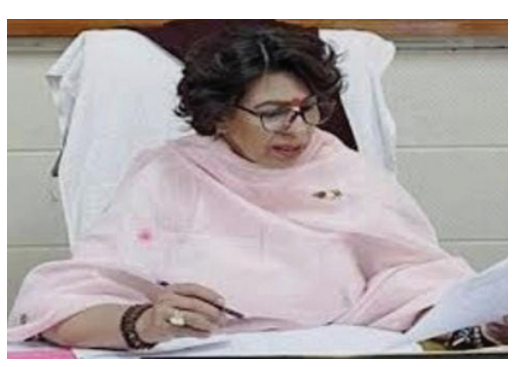

रजत विजय रंगा । भूना में प्राइवेट स्कूल में छात्राओं से मारपीट के मामले में महिला आयोग ने कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग ने एसपी, डीईओ और माध्यमिक शिक्षा निदेशक को लेटर जारी कर पांच दिन में जांच करवा कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। आयोग की सख्ती के बाद आज शिक्षा विभाग की जांचभूना कमेटी जांच के लिए पहुंची। मामले में विभाग की ओर से जांच की जा रही है। बता दें कि भूना ब्लॉक के गांव ढाणी सांचला- भोजराज स्थित नव ज्योति स्कूल में संचालक द्वारा छात्राओं को पीटने का मामला सामने आया था। छात्राओं से मारपीट की सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुई थी । शिक्षा विभाग ने छात्राओं की डिटेल मांगी, तो जानकारी सामने आई है कि इस प्राइवेट इस प्राइवेट स्कूल की मान्यता दसवीं तक थी। मगर स्कूल संचालक 11वीं और 12वीं में छात्राओं को भी पढ़ा रहा था। विशेष बात यह है कि इन छात्राओं के दाखिले किसी दूसरे स्कूल में चल थे है। उस स्कूल में भी टीम जांच के लिए पहुंची। उस स्कूल के प्रबंधन से भी जानकारी लेकर पूछताछ की गई है। डीईओ संगीता बिश्नोई ने बताया कि मामले में जांच के लिए गठित टीम जांच कर रही है। महिला आयोग ने भी रिपोर्ट मांगी है। जांच करके रिपोर्ट भेजी जाएगी।

एसआईआर : उन्नाव में एक घर से थे 45 मतदाता, सत्यापन के बाद बचे मात्र 3 वोटर

उन्नाव (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले में यह मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। कमलेश कुमार, आशीष और माधुरी देवी, जो अपने दो नाबालिग बच्चियों के साथ रहते हैं। इन तीनों ने अपना एसआईआर फॉर्म भरकर जमा कर दिया था। बाकी 42 लोगों का नाम, जो उसी पते पर दर्ज हैं, कौन हैं और कहां रहते हैं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है। सदर तहसील के पूरन नगर मोहल्ला के 57 नंबर घर के पते पर वोटर लिस्ट में 45 लोगों के नाम दर्ज थे। जब क्षेत्र के बीएलओ राजीव त्रिपाठी निर्वाचन निर्वाचक नामावली 2025 की वोटर लिस्ट लेकर एसआईआर वोटर सत्यापन के लिए गए, तो उन्होंने पाया कि इस घर में केवल तीन लोग मौजूद हैं। एडीएम सुशील कुमार गौड़ ने कहा कि यह मामला निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और वोटर लिस्ट की सटीकता पर सवाल खड़ा करता है। प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और पूरी तरह जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करेगा। मामले के सामने आने के बाद एडीएम ने बताया कि मामले की टीम बनाकर जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि एआरओ (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर) को टीम बनाकर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्नाव जिले में कई फैक्ट्रियां भी हैं, संभव है कि किसी की जानकारी गलती से इस पते पर दर्ज हो गई हो। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यात्री की तबीयत बिगड़ी... तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान को मंगलुरु में उतारा गया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। यात्री के अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण तिरुवनंतपुरम जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारना पड़ा। सोमवार देर रात तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान में एक लगभग 35 वर्षीय यात्री को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हुई। विमान के चालक दल ने तुरंत मंगलुरु हवाई अड्डे के संचालन नियंत्रण केंद्र को सूचित किया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए और चिकित्सा दल, सीआईएसएफ, आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग के साथ समन्वय किया। विमान के उतरते ही हवाई अड्डे के चिकित्सा कर्मियों ने यात्री की स्थिति का आकलन किया और उन्हें तत्काल शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यात्री के रिश्तेदार भी उनके साथ विमान से उतरे। चालक दल की समय पर मदद से यात्री को स्थिर करने में मदद मिली। स्थिति नियंत्रण में आने के बाद, विमान देर रात दो बजकर पांच मिनट पर तिरुवनंतपुरम के लिए रवाना हुआ। एयरलाइन एक प्रवक्ता ने इस समन्वित प्रतिक्रिया को हवाई अड्डे की तत्परता और यात्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। यह घटना दर्शाती है कि विमानन और हवाई अड्डा अधिकारी किस तरह चिकित्सा संबंधी आकस्मिकताओं से प्रभावी ढंग से निपटते हैं।

दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस और बम स्क्वॉड ने ली तलाशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली यूनिवर्सिटी के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के बाद कैंपस में तलाशी शुरु की गई। बता दें इन दो कॉलेजों में रामजस कॉलेज और देश बंधु कॉलेज का नाम सामने आया है। कॉलेजों को यह धमकी मेल के जरिए दी भेजी गई थी। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दोनों कॉलेजों के कैंपस में सघन सर्च ऑपरेशन शुरु हुआ। पुलिस और बम स्क्वॉड टीमों ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली, लेकिन किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। अधिकारी फिलहाल स्थिति पर नजर रख रहे हैं। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि यह धमकी महज एक अफवाह थी या इसके पीछे कोई वास्तविक मंशा। यह पहली बार नहीं है जब राजधानी के शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी धमकियां मिली हैं। पिछले महीने 18 नवंबर को भी दिल्ली के द्वारका और प्रशांत विहार स्थित दो स्कूलों को ईमेल के ज़रिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके अलावा साकेत कोर्ट, रोहिणी कोर्ट और पटियाला कोर्ट समेत तीन अदालत परिसरों को भी धमकी भरे संदेश मिले थे। उन सभी मामलों में भी गहन जांच के बाद कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी और धमकियां फर्जी निकलीं। इन घटनाओं के कारण सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और वर्तमान मामले को भी पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है।

इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में तकनीकी खराबी से हड़कंप... रात भर से परेशान हो रहे यात्री

हैदराबाद(एजेंसी)। हैदराबाद के शमशाबाद एयरपोर्ट पर बीती रात से इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में तकनीकी खराबी ने हड़कंप मचाया हुआ है। तकनीकी समस्या के कारण मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली के लिए उड़ानें प्रभावित हो गई हैं। इसके चलते करीब 1000 यात्री एयरपोर्ट पर लंबी प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनकी यात्रा योजनाएं बाधित हो गई हैं। विशेष रूप से बेंगलुरु जाने वाली उड़ानें ज्यादा प्रभावित हुईं। मंगलवार-रात 2 बजे निर्धारित एक उड़ान को रनवे पर ही दो घंटे तक रोका गया। बढ़ती चिंता और तनाव के बीच यात्रियों को विमान से उतारकर एयरपोर्ट टर्मिनल में इंतजार करने के लिए कहा गया। सबसे बड़ी परेशानी उन यात्रियों को हो रही है जिन्हें विदेश जाने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़नी थी या वीजा इंटरव्यू के लिए विभिन्न शहरों का सफर तय करना था। एयरपोर्ट पर मौजूद इंडिगो कर्मचारी तकनीकी गड़बड़ी पर संतोषजनक जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। एक यात्री ने बताया, 'हमें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही। खाने-पीने की कोई व्यवस्था भी नहीं हुई।' इंडिगो एयरलाइंस प्रवक्ता ने कहा कि तकनीकी खराबी की समस्या सामने आई है और जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने यात्रियों से धैर्य रखने की अपील की और उन्हें हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना देश के सबसे बड़े विमानन संचालकों में से एक के लिए चिंता का विषय है। इंडिगो को हाल के महीनों में तकनीकी विश्वसनीयता को लेकर कई बार आलोचना का सामना करना पड़ा है।

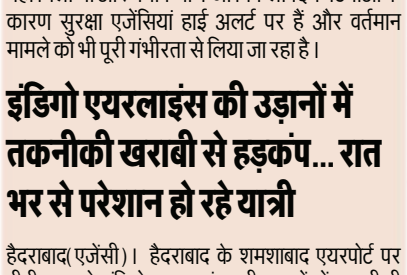

गोयनका महिला महाविद्यालय में एन एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी पर गेस्ट लेक्चर का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में बुधवार को एन एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी पर गेस्ट लेक्चर सेशन का आयोजन रसायन विज्ञान विभाग के माध्यम से किया गया।जिसमें मुख्य वक्ता डॉ प्रदीप पिलानिया, एसोसिएट प्रोफेसर, राजकीय विज्ञान महाविद्यालय, सबलपुरा, सीकर के द्वारा छात्राओं को स्पेक्ट्रोस्कॉपी तकनीक की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।अलग-अलग रेंज के रेडिएशन के आधार पर अलग-अलग प्रकार की स्पेक्ट्रोस्कॉपी के बारे में बताते हुए उन्होंने एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी तकनीक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री का एक ऐसा उपकरण है जो किसी नमूने की आणविक संरचना और रासायनिक गुणो के निर्धारण के लिए शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र रेडियो तरंगों का उपयोग किया जाता है।उन्होंने बताया कि यह तकनीक अत्यधिक महत्वपूर्ण है, इसका उपयोग तरल और ठोस दोनों अवस्थाओं में विभिन्न प्रकार के नमूनों के लिए किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि एन एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी में ऐसी रेडियो तरंगों का उपयोग किया जाता है, जिसका कोई हानिकारक विकिरण प्रभाव नहीं होते इसलिए एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कॉपी का उपयोग रसायन चिकित्सा, फार्मास्युटिकल और दवा संरचनाओं, पदार्थ विज्ञान इत्यादि में किया जाता है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अर्चना शर्मा ने प्रदीप पिलानिया जी के व्यक्तित्व से अवगत कराते हुए छात्राओं के लिए प्रेरक और ज्ञानवर्धक जानकारी हेतु उनका आभार व्यक्त किया मंच संचालन डॉक्टर डॉक्टर गायत्री शर्मा के द्वारा किया गया और धन्यवाद बीना सोनी के द्वारा दिया गया। इसमें महाविद्यालय की डिग्री और बीएड कॉलेज की समस्त छात्राएं उपस्थित रही।

टोहाना में महिला की तेजधार हथियार से हत्या, मुंह पर मिले चोट के निशान

बेटे राहुल पर नशे की लत के कारण हत्या का शक

सीन आफ क्राइम ब्रांच ने आकर मौके से हर प्रकार के साक्ष्य किये एकत्रित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

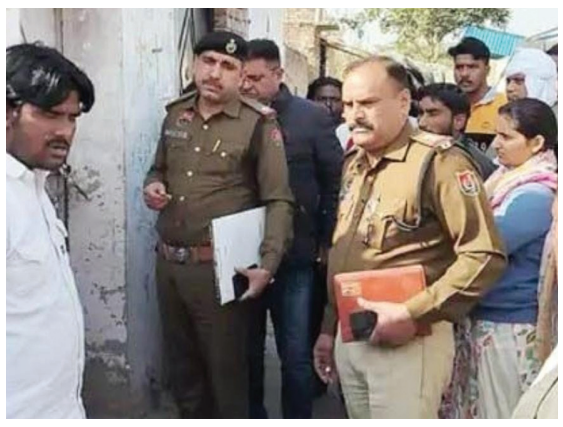

रजत विजय रंगा । टोहाना शहर की बाबा बूटा बस्ती में एक वृद्ध महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला, मुंह पर तेजधार हथियार से चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतका की बेटी रमिया ने बताया कि उनकी मां कई वर्षों से अपने बेटे राहुल के साथ रह रही थीं। सुबह जब उन्होंने गेट नहीं खोला, तो परिजनों ने मकान की छत के रास्ते नीचे उतरकर देखा, जहां महिला मृत अवस्था में पड़ी मिलीं। पड़ोसियों ने भी सुबह आवाज लगाई और फोन किया। लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद वे पड़ोसी की दीवार के रास्ते घर में दाखिल हुए, जहां मृतका के चेहरे पर तेजधार हथियार से वार के निशान थे। परिजनों ने मृतका के बेटे राहुल पर नशे की लत के कारण हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस आरोप को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल पर सीन ऑफ क्राइम टीम ने पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। शहर थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के बेटे के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और उन्हीं के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, मृतका पिछले पांच वर्षों से बाबा बूटा बस्ती में अपने बेटे राहुल के साथ रह रही थीं। उनके परिवार में एक बेटी रमिया और दो बेटे हैं, जिनमें बड़ा बेटा मंदीप और बेटी रमिया शादीशुदा हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

हरियाणा सरकार के समाज कल्याण विभाग का फरमान: फैमिली आईडी अपडेट नहीं करवाई तो नहीं बन पाएगी बुढ़ापा पेंशन

अपडेट न होने पर पात्र होते हुए भी बुढ़ापा पैशन नहीं बन पाएगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । बुढ़ापा पेंशन को लेकर क्रीड विभाग की ओर से नई गाइडलाइन जारी की गई है। इसके अनुसार बुढ़ापा पेंशन शुरू करवाने के लिए पात्र व्यक्ति को अपने परिवार पहचान पत्र (फैमिली आईडी) में आवश्यक जानकारियाँ अनिवार्य रूप से अपडेट करवानी होंगी । यदि ये अपडेट नहीं किए गए, तो पात्र होते हुए भी पेंशन शुरू नहीं हो पाए। क्रीड विभाग के अनुसार यह एक प्रोएक्टिव स्कीम है। पात्र व्यक्ति अपनी स्वयं की लॉगिन आईडी से पीपी पोर्टल पर ओटीपी के माध्यम से विवरण अपडेट कर सकता है। जानकारी अपडेट होते ही पेंशन की प्रक्रिया ऑनलाइन शुरू हो जाएगी और अन्य सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। बुढ़ापा पेंशन के लिए सबसे प्रमुख शर्त है कि फ़ैमिली आईडी में आवेदक की आयु 60 वर्ष सत्यापित हो। इसके लिए निम्न में से कोई एक दस्तावेज़ होना जरूरी है 2019 से पहले जारी वोटर कार्ड, जिसमें आयु का उल्लेख हो स्कूल की 10वीं की मार्कशीट यदि व्यक्ति अधिक पढ़ा- लिखा नहीं है, तो पहली या दूसरी कक्षा में स्कूल में नाम लिखा होने का प्रमाण दस्तावेजों के आधार पर आयु सत्यापन होने पर पात्र व्यक्ति की पेंशन प्रक्रिया स्वतः प्रारंभ हो जाएगी।

तकनीकी कर्मचारी के तबादले के विरोध में धरना दिया

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । एसई कार्यालय के सामने बुधवार को राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन चूरू की तरफ से तकनीकी कर्मचारी शाहबाज खान के स्थानांतरण के विरोध में एक दिवसीय धरना दिया गया। एसोसिएशन जिलाध्यक्ष मोहसिन खान ने बताया कि तकनीकी कर्मचारी शाहबाज का बीकानेर मुख्यालय स्थानांतरण किया गया, जहां तकनीकी कर्मचारी का पद ही नहीं है। वहां तकनीकी स्टाफ का काम निजी कंपनियों के जिम्मे है। कर्मचारियों ने शाहबाज के स्थानांतरण आदेश रद्द करने की मांग को लेकर एसई आरपी वर्मा को ज्ञापन दिया। एसई ने मामले की जांच चूरू एक्सईएन को सौंपी तथा जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसई के आश्वासन पर कर्मचारियों ने धरने को स्थगित कर दिया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुखराम मीना, कोषाध्यक्ष रुक्मानंद स्वामी, कार्यकारी अध्यक्ष राकेश सैनी, विजयपाल जांगिड़, मामचंद, राकेश मीना, देवकरण, प्रवेश, गिरधारी, बनवारी, शरीफ खान, अनिल कुमार, अरशद खान, नरेंद्र सांगवान, कमल किशोर आदि उपस्थित थे।

भारत की ऊर्जा नीति अब आत्मनिर्भरता और हरित विकास का लिख रही है नया अध्याय:-मदन राठौड़

रिफाइनिंग और बायोफ्यूल क्षमता बढ़ाना सिर्फ विकास नहीं, राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा का संकल्पः— मदन राठौड़

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर, । भाजपा राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने संसद में राष्ट्रहित और देश के ऊर्जा भविष्य से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाते हुए भारत की रिफाइनिंग और बायोफ्यूल क्षमता के विस्तार पर विस्तृत जानकारी चाही। सांसद राठौड़ के सवाल के जवाब में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि भारत की वर्तमान कुल रिफाइनिंग क्षमता 258.1 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष है, जिसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 309.5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष करने का अनुमान है।सार्वजनिक क्षेत्र की तेल रिफाइनरियों के पेट्रो-केमिकल इंटेंसिटी इंडेक्स को 4.1 से बढ़ाकर लगभग 9.3 तक ले जाने के प्रयास जारी हैं, जिससे भारत का पेट्रोकेमिकल उत्पादन और मूल्यवर्धन में तेजी आएगी। उन्होंने बताया कि भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने हेतु पारंपरिक ईंधनों के साथ हरित ऊर्जा समाधानों को समेकित रूप से मजबूत किया जा रहा है। इसमें एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसके तहत 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है और इसके लिए विभिन्न फीडस्टॉक की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। यह कदम न केवल विदेशी तेल आयात पर निर्भरता कम करेगा बल्कि किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी सहायक होगा। उन्होंने बताया कि बायोफ्यूल को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री जैव ईंधन-वातावरण अनुकूल फसल अपशिष्ट निवारण (पीएम-जी1) जैसी योजनाओं को लागू किया जा रहा है, जिसके माध्यम से उन्नत बायोफ्यूल और किफायती विमानन ईंधन के उत्पादन को प्रोत्साहन मिल रहा है। इसके साथ ही संपीडित बायोगैस (सीबीजी) उत्पादन और उसके विपणन को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य चल रहा है। सरकार ने बायोमास एकत्रीकरण मशीनरी और डायरेक्ट पाइपलाइन अवसंरचना (डीपीआई) जैसी योजनाएँ भी शुरू की हैं। ताकि सीबीजी संयंत्रों को प्रभावी लॉजिस्टिक नेटवर्क के साथ जोड़ा जा सके। यह ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। स्वच्छ ऊर्जा के एक और अहम क्षेत्र ग्रीन हाइड्रोजन में भारत ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है।

शिविर में मरीजों का किया उपचार एवं रजिस्ट्रेशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मंगलवार को बी.डी.के. आयुर्वेद अस्पताल झुंझुनूं में चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ।आयोजित इस शिविर में रोगियों की आवश्यक स्वास्थ्य जांचें की गईं एवं उन्हें क्षारसूत्र चिकित्सा हेतु रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी गई। शिविर के प्रभारी डॉ. महेश माटोलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में कुल 87 रोगियों को परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया, जिनमें से 42 रोगियों का पंजीकरण आगामी 15 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले विशेष ऑपरेशन कैंप के लिए किया गया।

इस अवसर पर डॉ. महेश माटोलिया,डॉ.मोनिका शर्मा,नर्स मेहरबानी, कनिष्ठ नर्स कमलेश व पूनम बाई ने सेवाएं प्रदान कीं। साथ ही दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। गौरतलब है कि इस प्रकार के स्क्रीनिंग शिविर हर ब्लॉक स्तर पर विभिन्न तिथियों में आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिकतम रोगियों को आयुर्वेद की परंपरागत और प्रभावी चिकित्सा पद्धति का लाभ मिल सकें।

केकेएमएस कॉलेज बडाऊ में खेलकूद एवं सांस्कृतिक सप्ताह में दूसरे दिन हुई रोचक प्रतियोगिताएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

इंडियन शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित केकेएमएस कॉलेज बडाऊ में खेलकूद एवं सांस्कृतिक सप्ताह में दूसरे दिन रोचक प्रतियोगिताएं हुई।महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. मुकेश दाधीच ने बताया की छात्रा वर्ग की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन साँस्कृतिक एवं खेलकूद सप्ताह के अंतर्गत किया गया। आयोजन में संस्थान सचिव रघुवीर शर्मा, चेयरमैन सुनील बोहरा, प्रकाश दास स्वामी, सूर्य प्रकाश शर्मा, सुमन शेखावत, पूजा सैनी, अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बुधवार को छात्रा वर्ग की विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित कि गई। जिसमें म्युजिकल चेयर प्रतियोगिता में कुमकुम जांगिड़ विजेता तथा सुमन कुमारी उपविजेता रही। जलेबी कूद प्रतियोगिता में अनीशा जांगिड़ विजेता तथा मुस्कान चोपड़ा उप विजेता रही। कमरबंद रस्साकशी प्रतियोगिता में अंकिता यादव विजेता तथा साक्षी गुर्जर उपविजेता रही। गोलगप्पे प्रतियोगिता में अलीशा बानो विजेता तथा प्रेरणा शर्मा उपविजेता रही। मेहंदी प्रतियोगिता में अलका कुमारी विजेता तथा ज्योति जांगिड़ उप विजेता रही। रंगोली प्रतियोगिता में कुमकुम जांगिड़ व एकता जांगिड़ विजेता तथा मोनिका यादव व सुमन गुर्जर उपविजेता रही। एकल गायन प्रतियोगिता में तनु सेन विजेता रही। । इस मौके पर कॉलेज व्याख्याता मंजू शर्मा, दर्शन वर्मा, सोनू जांगिड़, सुरेंद्र मीणा, पूनम जांगिड़, सोनू कुमारी, प्रवेश शर्मा, मुकेश यादव, मनीषा जांगिड़, सुरेंद्र सिंह सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

अवैध घुसपैठिए भारत में किसी कानूनी अधिकार के हकदार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध रूप से देश में घुसे प्रवासी और घुसपैठिए भारत के किसी भी कानूनी अधिकार के हकदार नहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने यह टिप्पणी पांच रोहिंग्या अवैध प्रवासियों की गुमशुदगी से जुड़ी हैबियस कॉर्पस याचिका की सुनवाई के दौरान की। ये रोहिंग्या हिरासत में लिए जाने के बाद से लापता बताए जा रहे हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने रोहिंग्याओं को शरणार्थी कहकर संबोधित किया, जिस पर सीजेआई ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अदालत मानवीय आधार पर ही इनके मामले को देख रही है, लेकिन इससे उनका कानूनी दर्जा ÷शरणार्थी÷ नहीं हो जाता। सीजेआई ने तल्ख लहजे में पूछा, पहले आप अवैध तरीके से सीमा पार करते हैं - सुरंग खोदकर या बाड़ कूदकर भारत में घुसते हैं। फिर कहते हैं कि अब मैं आ गया हूं, तो मुझे भोजन, आश्रय, बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। क्या हम कानून को इतना खींचकर तोड़ना चाहते हैं?

प्रधान न्यायाधीश ने आगे कहा कि एक बार अवैध प्रवासी भारत में दाखिल हो जाते हैं, तो वे तुरंत संसाधनों पर दावा ठोकने लगते हैं। लेकिन भारत के अपने लाखों गरीब नागरिक हैं, जिनका इन सीमित संसाधनों पर पहला हक है, न कि अवैध घुसपैठियों का। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि हिरासत में किसी भी अवैध प्रवासी को यातना नहीं दी जा सकती। मानवीयता का तकाजा है कि उनके साथ अमानवीय व्यवहार न हो। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि देश का हर नागरिक, खासकर पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों में रहने वाले लोग, अवैध घुसपैठ की गंभीरता को समझते हैं। पीठ ने 2005 के ऐतिहासिक सरबानंद सोनोवाल मामले का जिक्र करते हुए याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने तब असम में बांग्लादेशी घुसपैठ को बाहरी आक्रमण की श्रेणी में रखा था और केंद्र को अनुच्छेद 355 के तहत राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता हैबियस कॉर्पस की आड़ में सरकार से डिपोर्टेशन प्रक्रिया, विदेशी सरकारों से बातचीत और गोपनीय सरकारी फाइलों की जानकारी मांग रहे हैं, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर निर्धारित करते हुए सभी संबंधित रोहिंग्या मामलों को एक साथ जोड़ने का फैसला किया।

इससे पहले मई 2024 में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एन कोटिस्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली में रह रहे रोहिंग्या प्रवासियों के संभावित निर्वासन पर अंतरिम रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंसाल्विस और प्रशांत भूषण ने दलील दी थी कि म्यांमार लौटने पर रोहिंग्याओं का नरसंहार हो सकता है, इसलिए उन्हें भारत में रहने का अधिकार मिलना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने साफ कहा कि भारत में कहीं भी रहने का मौलिक अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है। विदेशी नागरिकों का नियमन विदेशी अधिनियम के तहत ही होगा।

रोहिंग्या मुद्दा लंबे समय से विवादास्पद रहा है। म्यांमार की सेना इन्हें बांग्लादेशी घुसपैठिया मानती है और नागरिकता देने से इनकार करती है। 2017 के बाद बड़े पैमाने पर उत्पीड़न से बचकर लाखों रोहिंग्या पहले बांग्लादेश और फिर वहां से भारत के विभिन्न हिस्सों, खासकर जम्मू, दिल्ली, हैदराबाद, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में पहुंचे। भारत इन्हें शरणार्थी का दर्जा देने से लगातार इनकार करता रहा है।

रायपुर में 'किंग कोहली' का जलवा, 53वें शतक से रचा इतिहास, गायकवाड़ ने भी दिखाया दम

रांची (एजेंसी)। विराट कोहली ने बुधवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे वनडे के दौरान अपना 53वां वनडे शतक लगाया। यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में लगातार दूसरा शतक भी था। पहले वनडे में, कोहली ने रांची में भारत की 17 रनों की जीत में 120 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्कों की मदद से 135 रन बनाए थे।

37 वर्षीय दिग्गज बल्लेबाज ने 90 गेंदों में अपना 53वां वनडे शतक पूरा किया। कुल मिलाकर, यह भारतीय महान का 84वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। वह सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में महान सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक हैं। उन्होंने रुतुराज गायकवाड़ के साथ चौथे विकेट के लिए 195 रनों की शानदार साझेदारी की। रुतुराज गायकवाड़ ने भी अपना पहला वनडे शतक जड़ा। रायपुर में इस स्टार बल्लेबाज़ ने 77 गेंदों में शतक पूरा किया।

उन्होंने 83 गेंदों पर 105 रन बनाकर अपना पहला वनडे शतक जड़ा। कोहली की तरह, गायकवाड़ ने भी स्ट्राइक रेट से समझौता नहीं किया और बीच में कुछ बेहतरीन शॉट खेले। मैच के 36वें ओवर में मार्को जेनसन ने उन्हें आउट कर दिया। गौरतलब है कि दोनों ने 195 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत दूसरे वनडे में बढ़त बना पाया। वे बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे और इसी के लिए केएल राहुल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया है।

कोहली ने 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाए। इससे पहले, यशस्वी जायसवाल (22) और रोहित शर्मा (14) सस्ते में आउट हो गए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बावुमा और महाराज को पहले मैच में आराम दिया गया था, लेकिन इस मैच में दोनों की वापसी हुई है।

हार्दिक टी20 में 300 छक्के लगाने वाले धोनी के बाद दूसरे खिलाड़ी बने

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी ऑलराउंडर पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया। हार्दिक ने पंजाब के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में अपनी 42 रनों की पारी में चार छक्के लगाने के साथ ही टी20 क्रिकेट में अपनी 300 छक्के पूरे कर लिए। इसी के साथ ही हार्दिक भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरी खिलाड़ी बन गये हैं। यह उपलब्धि हार्दिक की पावर-हिटिंग क्षमता और लगातार सुधारते प्रदर्शन को दर्शाती है।

हार्दिक बड़ौदा की ओ से इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में पहला छक्का लगाते ही उनके 300 छक्के पूरे हो गये। हार्दिक का यह प्रदर्शन दिखाता है कि अब वह फिट हो गये हैं। हार्दिक अब भारत के दूसरे खिलाड़ी हैं जिन्होंने टी20 क्रिकेट में बिना एक भी शतक लगाए 300 या उससे अधिक छक्के लगाए हैं। उनका टी20 करियर का सर्वोच्च स्कोर 91 रन है, और अब तक वे 268 पारियों और 309 मैचों में कुल 303 छक्के उनके नाम हैं। यह उपलब्धि बताती है कि हार्दिक सिर्फ एक ऑलराउंडर नहीं, बल्कि एक दमदार फिनिशर और पावर-हिटर भी हैं। वही धोनी ने 355 टी20 पारियों में बिना शतक लगाए 350 छक्के लगाए थे।

आईपीएल 2026 नीलामी : इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पर होगी पैसों की बारिश, बन सकते हैं सबसे महंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 के मिनी ऑक्शन से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे चर्चित नामों में शामिल हो गए हैं। माना जा रहा है कि इस बार वह ऑक्शन के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। टीम इंडिया के सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी भविष्यवाणी की है कि ग्रीन इस सीजन में बड़ी बोली हासिल कर सकते हैं।

अश्विन ने बताया ग्रीन को 'जैकपॉट खिलाड़ी'

अश्विन के अनुसार, इस साल आंद्रे रस्सेल और ग्लेन मैक्सवेल जैसे विस्फोटक विदेशी ऑलराउंडर उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजियां तेज गेंदबाजी करने वाले और मिडिल ऑर्डर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी की तलाश में सीधे कैमरन ग्रीन पर नजरें टिकाएंगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'कैमरन ग्रीन को कह दो कि सिडनी हार्बर के पास 4-5 एकड़ जमीन बुक कर लें। इस बार ऑक्शन में न रस्सेल हैं, न मैक्सवेल। ऐसे में ग्रीन और लियाम लिविंगस्टोन दोनों के लिए बड़ा जैकपॉट तैयार है।'

क्यों है ग्रीन की वैल्यू इतनी ज्यादा?

कैमरन ग्रीन इस समय दुनिया के सबसे 'कम्प्लीट' टी20 खिलाड़ियों में गिने जाते हैं- धाकड़ मिडिल-ऑर्डर हिटर, 140+ किमी/घं. की रफ्तार से गेंदबाजी, शानदार फील्डिंग, युवा और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट। 2025 में उनके लगातार उत्कृष्ट टी20 प्रदर्शन ने उनके मूल्य को और बढ़ा दिया है। ग्रीन ने 40+ की औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो टी20 में बेहद दुर्लभ है।

आईपीएल में अब तक का प्रदर्शन

सिर्फ दो सीजन में ही कैमरन ग्रीन ने अपना दम दिखा दिया है: 29 मैच, 707 रन, 1 शतक, 16 विकेट। ग्रीन ने प्रेशर सिचुएशन में भी मैच जिताने वाली पारियां खेली हैं और जरूरत के हिसाब से आक्रामक या एंकर दोनों भूमिकाएं निभाई हैं। यही वजह है कि कई टीमें उन्हें अपने 'ड्रीम साइनिंग' के रूप में देख रही हैं।

हार्दिक पांड्या की वापसी, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी: दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति ने 9 दिसंबर से कटक में शुरू हो रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे, टीम में वापसी कर चुके हैं। पांड्या सितंबर में एशिया कप 2025 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के सुपर फोर मुकाबले के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी20आई खेलेंगे। पांड्या चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के फाइनल और ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से चूक गए थे।

हाल ही में, भारतीय ऑलराउंडर पांड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित की। रिंकू सिंह, जो ऑस्ट्रेलिया के टी20आई के लिए टीम का हिस्सा थे, को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने वाले शुभमन गिल को चोट के कारण दूसरे टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया गया है।

हालांकि, गिल को घरेलू मैदान पर प्रोटियाज के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज़ में भाग लेने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से अपनी फिटनेस मंज़ूरी लेनी होगी। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज़ का पहला टी20आई 9 दिसंबर को कटक में प्रोटियाज के खिलाफ खेलेगी। मुलनपुर 11 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20आई की मेजबानी करेगा। तीसरा टी20आई 14 दिसंबर को धर्मशाला में और चौथा 17 दिसंबर को लखनऊ में खेला जाएगा। अहमदाबाद 19 दिसंबर को सीरीज़ के पांचवें और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ में टीम इंडिया का 2-0 से सफाया कर दिया था। भारत तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में 1-0 से आगे चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज़ के लिए भारतीय टीम:

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान)*, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

भारतीय टीम ने 20 वीं बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया

रायपुर । भारतीय क्रिकेट टीम ने 20 वीं बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम के टॉस हारते ही ये नया रिकार्ड बना। भारतीय टीम के टॉस हारने का यह सिलसिला 2023 वर्ल्ड कप फाइनल से शुरू हुआ था और दो साल बाद भी नहीं टूटा है जबकि इस बीच कप्तान भी बदल गये हैं। कप्तान चाहे रोहित शर्मा हों, शुभमन गिल हों या केएल राहुल, टॉस लगातार हारते गये है। हैरानी की बात है कि टॉस 20 बार लगातार हारने की संभावना सिर्फ 0.00000095, यानी 10 लाख में एक मानी जा रही है। टॉस हारने के बाद मैच में कप्तानी कर रहे के एल राहुल ने मजाकिया लहजे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो सबसे ज्यादा दबाव टॉस का ही है। हम काफी समय से टॉस नहीं जीते। मैं अभ्यास रहा हूं, लेकिन साफ है कि यह काम नहीं कर रही।

केकेआर को खलेगी रसेल की कमी, बेहद प्रभावशाली रहे हैं आंकड़े

जैमैका । वेस्टइंडीज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब आईपीएल में खेलते नजर नहीं आयेंगे। रसेल आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते थे और उनके आंकड़े काफी प्रभावी रहे हैं। ऐसे में उनके नहीं होने की कमी टीम को खेलेगी। इसी कारण टीम के मालिक शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर लंबा और भावुक संदेश लिखकर उनकी सेवाओं को सलाम किया है। रसेल ने आईपीएल के 140 मुकाबलों की 115 पारियों में कुल 2651 रन बनाये हैं। इनका स्ट्राइक रेट 174.17 रहा है। उन्होंने 186 चौके, 223 छक्के लगाये हैं और गेंदबाजी के दौरान 123 विकेट लिए हैं। रसेल साल 2014 से ही केकेआर में शामिल रहे और अपनी आक्रामक बल्लेबाज़ी व कसी हुई गेंदबाज़ी से मैच विजेता साबित हुए। 174.17 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट की बदलौत वह टी 20 के सबसे खतरनाक फिनिशर बने। उन्होंने अपने करियर में 12 अर्धशतक, 186 चौके और 223 छक्के लगाये। केवल बल्लेबाज़ी ही नहीं, गेंदबाज़ी में भी रसेल ने अपनी ताकत दिखायी। उन्होंने आईपीएल में कुल 123 विकेट हासिल किए और कई अवसरों पर टीम को परेशानी से निकाला। उनके इसी ऑलराउंड प्रदर्शन के कारण ही केकेआर की टीम में वह गेम-चेंजर के तौर पर भी जाने जाते हैं। रसेल अब केकेआर में पावर कोच के तौर पर दिखेंगे। इसी को देखते हुए शाहरुख ने कहा कि तुम हमेशा हमारे योद्धा रहोगे। अब पावर कोच के रूप में टीम के खिलाड़ियों को अपनी ताकत, अनुभव और सफलता के राज़ सिखाओ।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दिन-रात का दूसरा एशेज टेस्ट आज से

गाबा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से यहां के गाबा मैदान में गुलाबी गेंद से शुरु होने वाले एशेज के दिन-रात के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में इंग्लैंड का लक्ष्य जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में सलामी बल्लेबाज अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा के फिट नहीं होने के कारण उनकी जगह पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस को शामिल कर सकती है। इंग्लिस अच्छे बल्लेबाज हैं और टीम के मध्य क्रम को मजबूती देंगे। वहीं ट्रैविस हेड और नये बल्लेबाज जेक वेदराल्ड पारी शुरु करेंगे। इस मैच में भी टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ के पास ही रहेगी। स्मिथ ने माना है कि ख्वाजा का नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका है पर उनका मानना है कि ख्वाजा जल्द वापसी के लिए मेहनत कर रहे हैं। स्मिथ ने यह भी जोड़ा कि गाबा टेस्ट के बाद ख्वाजा के भविष्य को लेकर चयनकर्ता फैसला लेंगे। हालांकि स्मिथ ने विश्वास जताया कि ख्वाजा अभी भी टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम नई रणनीति और नए खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरेगी।

दूसरी ओर, इंग्लैंड की राह भी आसान नहीं है। तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने की चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ऑलराउंडर विल जैक्स को शामिल किया गया है, जिससे इंग्लैंड पिंक बॉल की परिस्थितियों में गेंदबाजी में विविधता लाने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड का लक्ष्य सीरीज को बराबरी पर लाना होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया अपनी बढ़त को बनाये चाहेगी। गाबा की उछालभरी पिच पर इस मैच में एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर।

इंग्लैंड टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

जूनियर विश्व कप हॉकी 2025 के क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय टीम, शुक्रवार को बेल्जियम से खेलेगी

चेन्नई । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां भारतीय हॉकी टीम का सामना बेल्जियम से होगा इससे पहले भारतीय टीम ने राउंड रॉबिन लीग स्तर में स्विट्ज़रलैंड पर 5-0 से जीत दर्ज करने के साथ ही अपने अब तक के सभी मुकाबले जीत लिए। अब भारतीय टीम का सामना 5 दिसंबर को बेल्जियम से होगा। वहीं इससे पहले हुए मुकाबलों में भारतीय टीम ने चिली को 7-0 से जबकि ओमान को 17-0 से हराया। स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने शुरुआत में ही गोल दाग दिया। मनमीत सिंह ने दूसरे ही मिनट में एक गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। उन्होंने 11वें मिनट में एक और शानदार मैदानी गोल कर इस बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद शारदा नंद तिवारी ने 13वें मिनट में एक गोल कर टीम को 3-0 की बढ़त दिला दी। वहीं 28वें मिनट अर्शदीप सिंह ने गोल दागते हुए भारत को 4-0 से आगे कर दिया। अर्शदीप ने इससे पहले ओमान के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। स्विट्ज़रलैंड की टीम ने भी हमले किये जिसे भारतीय रक्षापंक्ति और गोलकीपर ने विफल कर दिया। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे क्वार्टर में भी अपनी लय बरकरार रखी। शारदा नंद ने मुकाबले के 54वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए अपना दूसरा गोल किया। इसी के साथ भारतीय टीम ने 5-0 से बढ़त हासिल कर ली। वहीं एक अन्य मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने कोरिया को 3-1 से हराया, जबकि इंग्लैंड ने मलेशिया को भी इसी अंतर से पराजित किया।

बेहतर ऑलराउंडर बनकर उभरे हैं यानसन

रांची । ऑलराउंड मार्को यानसन अपने प्रदर्शन से अब दक्षिण अफ्रीका के एक प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। कुछ समय पहले वह एक गेंदबाज के तौर पर टीम में आये थे पर अब वह टीम के लिए जरुरत के अनुसार रन भी बना रहे हैं। यानसन अपनी तेज उछाल वाली गेंदों से विरोधी बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर देते हैं। फुल लेंथ गेंद और बेहतर नियंत्रण से उनकी गेंदों की धार और बढ़ती है। यानसन अब केवल निचले क्रम के बल्लेबाज नहीं रहे। अब वह बेहतर बल्लेबाजी करके टीम को कठिन हालात से बाहर निकालने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। यानसन ने कहा, 'जब शीर्ष पांच बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में हों तब मैदान पर उतरना अच्छा लगता है। मेरी नजर केवल गेंद पर होती है और मैं उसी के अनुसार बल्लेबाजी करता हूं। अभी मेरी यह रणनीति कारगर साबित हो रही है। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। उसमें उन्होंनेनौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 91 गेंदों में 93 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को संकट से बाहर निकाला था। यानसन ने इस तरह की आक्रामक पारी पहले भी खेली हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में 59 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को संभाला था। ऐसे समय में जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में छोटी-छोटी पारियों का महत्व बढ़ता जा रहा है तब उन्होंने दिखाया कि वह दक्षिण अफ्रीका के लिए कितने उपयोगी हैं।

गुलाबी गेंद वाले प्रारुप के नाकाम होने के कारण सामने आये, ऑस्ट्रेलिया तक ही सीमित रह गये हैं ये मुकाबले

ब्रिस्बेन । यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को गुलाबी गेंद से दिन रात का टेस्ट मैच शुरु होगा। ये गुलाबी गेंद से 24 वां मैच होगा। गुलाबी गेंद से मैच की शुरुआत साल 2015 से हुई थी और तब लग रहा था कि खेल में एक नयापन आयेगा पर ऐसा नहीं हो पाया। एक दशक के बाद भी अब तक काफी कम मैच हुए है। जो हुए हैं उनमें से अधिकतर ऑस्ट्रेलिया में हुए हैं। अन्य देशों में से सफल नहीं रहे हैं। इसके पीछे कई कारण रहे हैं। इसी को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में इवेंट्स और ऑपरेशंस के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर जोएल मॉरिसन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में दिन-रात का प्रारुप इसलिए सफल रहा क्योंकि गर्मियों में मौसम बहुत अच्छा होता है। वहीं विश्व स्तर के स्टेडियम और सुविधाएं यहां हैं। फ्लड लाइटिंग भी बहुत अच्छी होती है। इसके अलावा इस प्रारुप की सफलता के लिए कई अन्य उपाय भी किये गये हैं जिससे गुलाबी गेंद के मुकाबले हालात के अनुरुप हों। पिछले कुछ सालों में यह बात सामने आयी है कि दिन-रात मैच के लिए आदर्श स्थल तैयार करना आसान नहीं होता है। इसके लिए आपको कुछ खास तरह के बदलावों की जरुरत होती है। इनमें ओस का कम असर, ऐसी पिच जो गुलाबी गेंद को लंबे समय तक सहायता करें बनानी होती है। ओस को देखते हुए पिच कुछ सख्त बनायी जाती है पर ऐसी भी नहीं कि हालात खेलने लायक न रहें। वहीं इंग्लैंड में मौसम की समस्या है, जबकि भारत में ओस से परेशानी है। दक्षिण अफ्रीका में एक गुलाबी गेंद से मैच खेला गया था पर वहां लाइट्स की समस्या होती है। श्रीलंका में फ्लडलाइट्स नहीं हैं जबकि पाकिस्तान में अभी तक इसका आयोजन नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज भी सही स्थल नहीं साबित हुए हैं। हालांकि इस प्रारुप की शुरुआत धमाकेदार रही थी। एक दशक पहले 27 नवंबर 2015 को मार्टिन गप्टिल ने एडिलेड में मिचेल स्टार्क की पहली गेंद का सामना किया था। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया, ये मैच काफी मनोरंजक तो था पर इसमें कुछ विवाद भी हुए, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से जीता। बहुत सारे दर्शक मैच देखने के लिए आए। टीवी रेटिंग्स भी दमदार थी पर इसके बाद भी ये प्रारुप अधिक विकास नहीं कर पाया और ऑस्ट्रेलिया का ही होकर रह गया है।

विराट कोहली घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार वापसी के लिए तैयार, ऋषभ पंत भी दिल्ली के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दोनों ने आगामी विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में खेलने की पुष्टि कर दी है। यह फैसला न केवल घरेलू क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि दिल्ली की टीम को भी बड़ा फायदा देगा। पंत लगभग सात साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे, जबकि कोहली 14 साल बाद फिर से दिल्ली की ओर से लिस्ट-ए मुकाबले खेलते नजर आएंगे। दोनों के खेलने से दिल्ली का बल्लेबाजी क्रम पहले से कहीं अधिक मजबूत होगा।

ऋषभ पंत की धमाकेदार वापसी तय

सूत्रों के अनुसार, ऋषभ पंत ने DDCA को अपनी उपलब्धता की औपचारिक पुष्टि कर दी है। 2018 के बाद पहली बार पंत विजय हजारे ट्रॉफी में दिखाई देंगे। पंत ने 2015 से अब तक दिल्ली के लिए 19 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 531 रन बनाए। उनकी पारी में एक शतक, दो अर्धशतक और 109.48 का बेहतरीन स्ट्राइक रेट शामिल है। पंत की वापसी खास इसलिए भी है क्योंकि उनकी आक्रामक बैटिंग शैली दिल्ली के लिए मैच-विनिंग साबित हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने 31 ODI मुकाबलों में 871 रन बनाए हैं, जिसमें एक शानदार सेंचुरी और पांच फिफ्टी शामिल हैं। उनकी फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए दिल्ली के लिए यह एक बड़ा प्लस पॉइंट है।

विराट कोहली भी विजय हजारे ट्रॉफी में उतरने को तैयार

35 वर्षीय भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने भी DDCA को टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता का भरोसा दिला दिया है। कोहली अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और ODI फार्मेट में विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। 2010 के बाद यह पहला मौका होगा जब कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की जर्सी पहनकर उतरेंगे। 2010 में खेले गए पांच मैचों में कोहली ने 45.80 की औसत से 229 रन बनाए थे और दो अर्धशतक भी लगाए थे। उनकी मौजूदा फॉर्म शानदार है और वह घरेलू गेंदबाजों पर हावी होते नजर आ सकते हैं। कोहली कर्नाटक के मैदानों पर दिल्ली के मुकाबलों में हिस्सा लेंगे, क्योंकि इस बार दिल्ली के कोटे में कोई होम ग्रुप मैच नहीं है।

दिल्ली के अभियान को मिलेगा बड़ा फायदा

पंत और कोहली के आने से दिल्ली का लाइन-अप बेहद प्रभावशाली हो जाएगा। दोनों खिलाड़ी बड़े मैचों में टीम का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं। उनकी मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक होगी और टीम संयोजन को भी संतुलित बनाएगी। विजय हजारे ट्रॉफी के सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले 8 जनवरी तक खत्म हो जाएंगे, जिससे पंत और कोहली दोनों के पास अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल से पहले पर्याप्त गेम टाइम मिलेगा। 11 जनवरी से भारत-न्यूज़ीलैंड की ODI सीरीज शुरू होगी, जहां कोहली को फिर एक्शन में देखा जा सकता है।

पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने काम कर रहे हैं: अनुपम खेर

अपने इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने एक दिलचस्प वीडियो शेयर किया। वीडियो में अनुपम खेर फ्लाइट में बैठे नजर आ रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व से होती है। वीडियो में दोनों को गर्मजोशी के साथ एक-दूसरे का अभिवादन करते और बातचीत करते देखा जा सकता है।
वीडियो में अनुपम खेर बताते हैं कि यात्रा के दौरान मिलने वाली अनोखी मुलाकातें सबसे खास अनुभव होती हैं। वीडियो में अनुपम कहते हैं, 'फ्लाइट में सफर करने में अक्सर बड़ी-बड़ी हस्तियों से मुलाकात हो जाती है कभी शायर, लेखक, बिजनेसमैन और गायक। आज हमारे साथ मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व जी बैठे हैं।' इस पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा, 'खास मुलाकात : फ्लाइट में यात्रा करने का सबसे अच्छा यह होता है कि आपको अलग-अलग तरह के लोग मिलने का मौका मिलता है बिजनेस वाले, खाने-पीने के शौकीन, स्टाइलिश लोग, लेखक और बातूनी लोग।' अनुपम खेर ने पृथ्वी गंधर्व की तारीफ करते हुए कहा कि जहां आजकल अधिकतर गायक आधुनिक और प्रयोगात्मक संगीत की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने का शानदार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पृथ्वी से मिलकर खुशी हुई। मुझे गजलें हमेशा से पसंद हैं और पृथ्वी जी को गजलें गाते सुनना अद्भुत अनुभव रहा।' वीडियो के अंत में पृथ्वी गंधर्व, अनुपम के अनुरोध पर उनके पसंदीदा गजल गायक गुलाम अली साहब की मशहूर गजल गुनगुनाते हैं, जिससे पूरा वातावरण भावनात्मक और खुशनुमा हो जाता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुपम ने लिखा, 'पृथ्वी ने मेरे पसंदीदा गुलाम अली साहब की एक खूबसूरत गजल भी गाई, जिसके लिए मैं उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।' सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और प्रशंसक कमेंट्स में दोनों की तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि अनुपम खेर का यह विनम्र स्वभाव और कला के प्रति सम्मान उन्हें अलग पहचान देता है। गौरतलब है कि पृथ्वी गंधर्व मनोरंजन जगत के एक प्रतिष्ठित नाम हैं और उन्होंने फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' में गायन से बॉलीवुड में प्रवेश किया था।

जल्द देओल फैमिली से जुड़ेगी अनिशा पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और एक्टर सनी देओल का फिल्म इंडस्ट्री के कारण कनेक्शन तो है, लेकिन जल्द ही यह पहचान रिश्तेदारी में बदलने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका की बहन अनिशा पादुकोण जल्द ही रोहन आचार्य से शादी करने वाली हैं। दरअसल, रोहन आचार्य मशहूर फिल्ममेकर बिमल रॉय के परपोते हैं। उनकी मां चिमू आचार्य की बेटी दृशा आचार्य, सनी देओल के बड़े बेटे करण देओल की पत्नी हैं। ऐसे में अगर अनिशा पादुकोण रोहन आचार्य से शादी करती हैं, तो दीपिका और सनी देओल का रिश्ता ससुराल के जरिए बन जाएगा। इस शादी के जरिए बॉलीवुड की दो प्रमुख फैमिलीज़ का कनेक्शन बनना तय है, हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। दीपिका और उनके पति रणवीर सिंह हाल ही में दृशा आचार्य के दादा और बॉलीवुड लीजेंड धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में भी पहुंचे थे। अनिशा पादुकोण पेशे से प्रोफेशनल गोल्फर हैं और बैंगलुरू में अपने माता-पिता बैडमिंटन लीजेंड प्रकाश पादुकोण और उज्जला पादुकोण के साथ रहती हैं। इस शादी से बॉलीवुड और स्पोर्ट्स जगत में भी खास कनेक्शन देखने को मिलेगा।

अभी मैं सिंगल हूं, कॅरियर पर फोकस कर रही हूं: नोरा फतेही

अपने रिश्तों को लेकर उड रही अफवाहों पर बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने साफ कहा है कि वह पूरी तरह सिंगल हैं और अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। हालांकि, अतीत में उनका नाम कई सितारों के साथ जुड़ चुका है, जिनमें अभिनेता अंगद बेदी भी शामिल हैं। दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन समय के साथ उनका रिश्ता टूट गया। अंगद बेदी और नोरा फतेही कुछ साल पहले एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों को कई इवेंट्स, पार्टियों और निजी मौकों पर साथ देखा गया था। उस समय अंगद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे, जबकि नोरा भी अपने करियर के बड़े मौके का इंतजार कर रही थीं। मीडिया में उनके रिश्ते की चर्चा खूब हुई, लेकिन दोनों ने इसे सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करने से बचते रहे। साल 2018 में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया और इसी साल अंगद बेदी ने अचानक अभिनेत्री नेहा धूपिया से शादी कर ली। उसी वर्ष दोनों बेटी मेहर के माता-पिता बने। वहीं, ब्रेकअप के बाद नोरा ने खुद को पूरी तरह काम में झोंक दिया और कुछ ही समय में बॉलीवुड की टॉप डांस परफॉर्मर्स में शामिल हो गईं। अंगद बेदी ने 2020 में दिए एक इंटरव्यू में नोरा के बारे में बात करते हुए कहा था कि वह एक प्यारी लड़की हैं और अपने करियर में शानदार काम कर रही हैं। उन्होंने नोरा की सफलता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दूसरी ओर, नोरा ने भी एक इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके एक्स-बॉयफ्रेंड ने उन्हें धोखा दिया था, हालांकि उन्होंने नाम बताने से इनकार कर दिया। नोरा के मुताबिक, धोखे की जानकारी होने के बावजूद उसे साबित करना मुश्किल था और उन्होंने उस दर्द को अपनी मेहनत में बदल दिया। नोरा का नाम पहले कोरियोग्राफर टेरेंस लुइस, सिंगर गुरु रंधावा और बिग बॉस फेम प्रिंस नरूला के साथ भी जोड़ा गया। हालांकि, इन मामलों में कभी सार्वजनिक पुष्टि नहीं हुई। नोरा ने हमेशा कहा है कि वह अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं। फिलहाल नोरा नए प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं और उनका पूरा ध्यान करियर पर है।

मैंने कई बार बेहद अव्यावहारिक फैसले किए: आमिर खान

हाल ही में 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में एक खास सेशन के दौरान बालीवुड स्टार आमिर खान ने अपने सफर और स्टारडम को लेकर बेहद दिलचस्प बातें साझा कीं। आमिर ने कहा कि उन्हें आज तक समझ नहीं आता कि वह स्टार कैसे बन गए, क्योंकि करियर में उन्होंने ऐसे फैसले लिए जो परंपरागत फिल्मी नियमों के बिल्कुल खिलाफ थे। सेशन के दौरान आमिर ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं स्टार कैसे बन गया। लॉजिक के हिसाब से देखा जाए, तो मुझे स्टार नहीं बनना चाहिए था। मैंने शुरुआत से ही हर नियम तोड़ दिया और कई बार बेहद अव्यावहारिक फैसले किए। इसलिए जब मुझे इतनी सफलता और सम्मान मिला, तो मुझे सच में लगता है कि यह मेरे लिए बेहद बड़ी बात है। मैंने जो भी काम

किया, वह सफलता पाने के उद्देश्य से नहीं था, बल्कि इसलिए किया क्योंकि उस विषय और किरदार ने मुझे अंदर से उत्साहित किया।' आमिर ने बताया कि उन्होंने जिन फिल्मों को चुना, उनमें से ज्यादातर जोखिम वाली थीं और उनके हिट होने की कोई गारंटी नहीं थी। उन्होंने कहा, 'लगभग हर फिल्म को लेकर मेरे मन में सवाल रहता था कि यह चलेगी या नहीं। जैसे 'सरफरोश', 'लगान', 'दिल चाहता है', 'तारे जमीन पर'—ये ऐसी फिल्में थीं जिनकी सफलता तय नहीं थी। 'लगान' और 'दिल चाहता है' अपने समय के लिए बेहद अलग थीं। वहीं 'तारे जमीन पर' जैसी कहानी पहले कभी बड़े पर्दे पर इस रूप में नहीं दिखाई गई थी। मैंने हमेशा अलग स्क्रिप्ट्स को चुना है, क्योंकि मैं खुद को दोहराना पसंद नहीं करता। मैं वही करता हूं जो मुझे दिल से अच्छा लगता है। यही मेरी शख्सियत है।' आमिर की हालिया फिल्म 'सितारे जमीन पर' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। यह उनकी 2007 की फिल्म 'तारे जमीन पर' का आध्यात्मिक सीक्वल मानी जाती है। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा ने भी महत्वपूर्ण किरदार निभाया और दर्शकों से खूब सराहना हासिल की। 20 जून को रिलीज हुई इस फिल्म ने सुपरहिट होने का रिकॉर्ड बनाया। बता दें कि बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहलाने वाले आमिर खान अपने काम में बारीकी, समर्पण और संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। वह लंबे समय से भारतीय सिनेमा में एक अनोखे कलाकार के रूप में स्थापित हैं और अपने करियर में कई यादगार व ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके हैं।

कार्तिक, सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं, पूरी फिल्म का ख़याल रखते हैं : अनन्या पांडे

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि अभिनेता कार्तिक आर्यन सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं, बल्कि पूरी फिल्म का ख़याल रखते हैं। अनन्या पांडे ने अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के को-स्टार कार्तिक आर्यन की प्रोफेशनलिज़्म और सेट पर उनकी गर्मजोशी की खुलकर तारीफ़ की, और बताया कि उनके साथ काम करना हमेशा क्यों सुखद अनुभव होता है। अनन्या ने कहा, 'मैं कार्तिक के आस-पास हमेशा बहुत कंफ़र्टेबल महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि वह सेट पर मेरा बहुत ध्यान रखते हैं, क्योंकि मुझे पता होता है कि वह सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने किरदार, अपनी टीम और फिल्म के साथ सबके लिए सोचते हैं।' अनन्या ने फिल्म के सेट पर बने मज़ेदार और सहयोगपूर्ण माहौल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, कार्तिक से सीखने को बहुत कुछ मिलता है। माहौल हमेशा मज़ाकिया और हल्का-फुल्का रहता है। ज़्यादा गंभीरता नहीं होती, और हर कोई अपनी राय बेझिझक दे सकता है। सच कहूँ तो सात साल बाद भी उनके साथ काम करके वही खुशी महसूस हुई, जो पति पत्नी और वो के दौरान हुई थी।' अनन्या की बातें कार्तिक की अपने काम, अपनी टीम और पूरी फिल्म के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं और यही वजह है कि 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' प्रशंसकों के बीच पहले से ही बेहद चर्चा का विषय बन गई है।

रेखा की स्टाइलिश अंदाज में एंट्री

फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपनी पहली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' के प्रोड्यूसर के रूप में डेब्यू किया और इस मौके पर मुंबई में एक खास स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। इस इवेंट में बॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया बॉलीवुड की सदाबहार एक्ट्रेस रेखा ने। रेखा ब्लैक कलर की खूबसूरत साड़ी में नजर आईं, जिस पर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम था। इसके साथ उन्होंने ब्लैक ओवरकोट कैरी किया, जिससे उनके लुक में एक मॉडर्न टच आया। उनका हाई बन हेयरस्टाइल, मांग में सिंदूर और ब्लैक शेड्स ने उनके ट्रेडिशनल और स्टाइलिश अंदाज को और निखारा। कंधे पर स्लिंग बैग और समर्पित पोज़ ने उनके लुक को पूरी तरह कंप्लीट किया। स्क्रीनिंग के दौरान रेखा मीडिया के कैमरों के सामने कई बार पोज देती दिखाई दीं। उनके स्टाइलिश और यूनिक लुक की फैंस ने सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ की। इस इवेंट में रेखा का ग्लैमरस अंदाज और सिग्नेचर स्वैग सभी का ध्यान खींचने में सफल रहा। 'गुस्ताख इश्क' की इस खास स्क्रीनिंग में रेखा की उपस्थिति ने शाम की शान बढ़ा दी और उनके फैशन सेंस की एक बार फिर तारीफ हुई।

शाहरुख का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं: राम गोपाल

बॉलीवुड के चर्चित निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ उन्होंने कभी काम नहीं किया। वर्मा ने पहली बार खुलकर बताया कि दोनों का साथ क्यों नहीं हो पाया। बातचीत में राम गोपाल वर्मा ने कहा कि शाहरुख खान उनकी फिल्मों के टोन और स्टाइल में फिट नहीं बैठते। उन्होंने बताया, 'शाहरुख खान का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं है। मैं अपनी फिल्म 'कंपनी' में उन्हें कास्ट करना चाहता था, लेकिन उस फिल्म का किरदार मल्लिक बहुत शांत, गंभीर और कुछ आलसी स्वभाव का था। उस किरदार में हाई एनर्जी या चुलबुलापन बिल्कुल नहीं था, जबकि शाहरुख की पर्सनैलिटी ही एनर्जी से भरी रहती है। ऐसे रोल में उन्हें डालना गलत होता।' राम गोपाल वर्मा ने आगे कहा कि शाहरुख खान एक पावरहाउस परफॉर्मर हैं और उनके फैन भी उन्हें उसी रूप में पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, 'शाहरुख लाइव वायर की तरह हैं। कैमरा चालू होते ही वो पूरी फ्रेम को कब्जे में ले लेते हैं। जब वो स्क्रीन पर होते हैं, तो निर्देशक के पास करने के लिए बहुत कम बचता है। वो सीन में इतनी ताकत डालते हैं कि बाकी सब पीछे रह जाता है।' डायरेक्टर के अनुसार, उनकी फिल्मों का मूड बहुत कंपोज्ड, इंटेंस और साइलेंट पावर पर आधारित होता है, जबकि शाहरुख की एक्टिंग स्टाइल ज्यादा एक्सप्रेसिव और एनर्जेटिक है। वह कहते हैं, 'मेरी फिल्ममेकिंग स्टाइल और शाहरुख की स्क्रीन एनर्जी एक-दूसरे के विपरीत हैं। इसलिए इतने सालों में कभी साथ काम करने का मौका नहीं बना। अगर मैंने उन्हें अपनी फिल्मों में कास्ट किया होता, तो वह गलत विकल्प होता, क्योंकि उन्हें उनके नेचुरल फ्लो में देखा जाना चाहिए।' साथ ही उन्होंने शाहरुख की जमकर तारीफ़ करते हुए कहा कि उनका कद और प्रभाव इतना बड़ा है कि निर्देशक को उनके सामने बहुत सोच-समझकर चलना पड़ता है।

'120 बहादुर' को राजस्थान में किया टैक्स फ्री

हाल ही में दिल्ली में टैक्स फ्री होने के बाद फरहान अख्तर की वॉर ड्रामा फिल्म '120 बहादुर' अब राजस्थान सरकार ने भी इसे करमुक्त घोषित कर दिया है। '120 बहादुर' को मिल रहा यह सम्मान फिल्म की लोकप्रियता और प्रभाव को दर्शाता है। सैनिकों के असाधारण साहस को सच्चाई और भावनात्मक गहराई के साथ पेश किए जाने के कारण फिल्म को मीडिया और सेलेब्रिटीज की ओर से भी शानदार समीक्षाएं मिल रही हैं। थिएटरों में इसकी रिलीज के तुरंत बाद से ही यह फिल्म देश भर में चर्चा का विषय बन चुकी है, और टैक्स फ्री होने से उम्मीद है कि अधिक लोग इसे देखने थिएटर पहुंचेंगे।
फिल्म की कहानी 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जांबाज सैनिकों पर आधारित है, जिन्होंने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की प्रतिष्ठित लड़ाई में अद्वितीय बहादुरी दिखाई थी। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे इन सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों और दुश्मन की भारी संख्या के बावजूद पीछे हटने से इनकार किया। अपने देश के लिए अंतिम सांस तक लड़ने वाले इन वीरों की गाथा आज भी भारतीय सेना के इतिहास का सबसे प्रेरणादायक अध्याय मानी जाती है। फरहान अख्तर ने इस फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी, की दमदार भूमिका निभाई है। शहीद मेजर शैतान सिंह को रेजांग ला युद्ध में अतुलनीय वीरता के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान किया गया था। फिल्म का केंद्रीय संवाद 'हम पीछे नहीं हटेंगे' – युद्ध के दौरान सैनिकों की भावना और हौसले को गहराई से दर्शाता है। राजस्थान में फिल्म के टैक्स फ्री होने पर फरहान अख्तर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया और इस फैसले को सैनिकों के साहस का सम्मान बताया।
रजनीश 'रेजी' घोष द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर तथा ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़ के अमित चंद्रा द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी स्थिर प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के आठवें दिन फिल्म ने लगभग 40 लाख रुपये का कलेक्शन किया और अब तक इसकी कुल घरेलू कमाई 15.4 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। सोमवार को जहां फिल्म ने 1 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं लगातार बढ़ती कमाई दर्शाती है कि दर्शक इसे बेहद पसंद कर रहे हैं। बता दें कि फरहान अख्तर की वॉर ड्रामा फिल्म '120 बहादुर' इस समय देश भर में चर्चा का केंद्र बनी हुई है। भारतीय सैनिकों की अदम्य वीरता और बलिदान को दर्शाने वाली यह फिल्म रिलीज के बाद से ही दर्शकों का दिल जीत रही है।

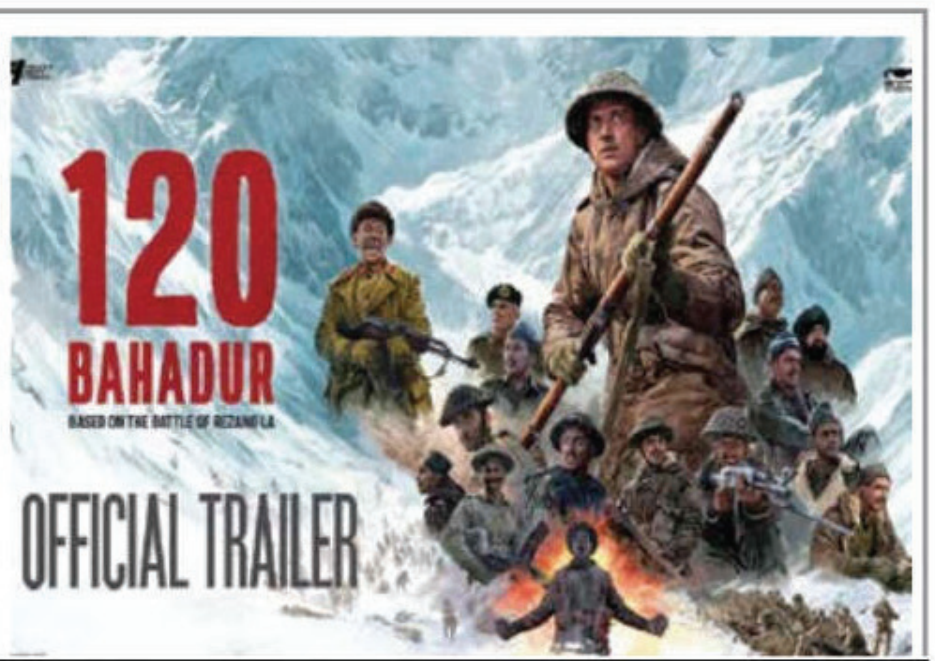

संक्षिप्त समाचार

यीशु पर बनी रूबेन्स की दुर्लभ पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

पेरिस, एजेंसी। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई पेंटिंग वर्सलीज में नीलामी के दौरान 27 लाख डॉलर में बिकी। ईसा मसीह (यीशु) को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य बताने वाली यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी। विशेषज्ञ निल्स ब्यूट्नर ने कहा, यह एकमात्र ऐसी पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के पार्श्व-घाव से रक्त और पानी बहते दिखाया है। रूबेन्स ने इसे एक बार में बनाया था।

कराची : तेज रफ्तार स्पीडबोट की टक्कर में यात्री नाव डूबी, 2 मरे

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के मनोरा के पास समुद्र में रविवार शाम एक निजी स्पीडबोट की टक्कर एक यात्री नाव से हो गई। इस हादसे में एक महिला और एक किशोरी की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हुए हैं। डीआईजी सैयद असद रजा ने बताया कि शाम 6:30 बजे जब यह टक्कर हुई तब नाव मनोरा बीच से जेटी नंबर 1 की ओर जा रही थी। टक्कर से नाव पूरी तरह से नष्ट हो गई। इसमें चार परिवारों के कुल 22 लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान नौसेना और कराची पोर्ट ट्रस्ट ने उन्हें बचाया। रजा ने कहा कि दो घायल लड़कियों की हालत नाजुक बनी हुई है।

तस्करी के शक में ईरान में दो द. कोरियाई नागरिक गिरफ्तार

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि ईरान में तस्करी के शक में दो दक्षिण कोरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान में उनका राजनयिक मिशन ईरानी अधिकारियों के साथ संपर्क में है। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों को जरूरी कांसुलर सहायता दी जाएगी। हालांकि, मंत्रालय ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पेशा या आरोपों की सटीक प्रकृति के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया।

चीनी जल विद्युत प्रोजेक्ट में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप

बीजिंग, एजेंसी। चीन के फुजियान प्रांत में बन रहा एक प्रमुख हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट योंगआन पावर स्टेशन गंभीर सुरक्षा उल्लंघन के आरोपों के कारण जांच के घेरे में है। चीन की आधिकारिक मीडिया ने बताया कि 7.5 अरब युआन (1.06 अरब अमेरिकी डॉलर) की इस परियोजना में घटिया सामग्री और लापरवाही से निर्माण करने का आरोप है। जांच में पाया गया कि इसके निचले जलाशय (लोअर रिजर्वायर) में गंभीर गुणवत्ता दोष हैं। यह लोअर रिजर्वायर बिजली उत्पादन का मुख्य केंद्र है।

बलूचिस्तान : अर्धसैनिक बल मुख्यालय पर हमले में 3 मौतें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम बताते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल का दावा है कि चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर (एफसी) मुख्यालय पर आत्मघाती हमले के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया। इस पर त्वरित जवाबी कार्रवाई की गई। प्रवक्ता ने बताया कि कम से कम छह हमलावरों ने जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। इस बीच मुख्यालय में घुसने में कामयाब रहे तीन आतंकियों को मार गिराया गया। सूत्रों के अनुसार, बीएलए चरमपंथियों ने पंजगुर के गुरमाकन क्षेत्र में एक अन्य एफसी चौकी को भी निशाना बनाया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। माना जा रहा है इस घटना में कई हमलावर मारे गए लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जिसके कारण कई सशस्त्र हमलावर शिविर में घुस गए। कई घंटे तक झड़पें जारी रहीं।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई:रैली-जुलूस निकालने पर रोक

प्रदर्शन की धमकी के बाद फैसला, इमरान से मिलने की मांग कर रही पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है।

आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है।

दावा- संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में : आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन

और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे : पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है।

न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी : इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, 'पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं।

सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था : इमरान खान का समर्थन करने रावलपिंडी की अडियाला जेल पहुंचे खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) राज्य के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को पुलिस ने 27 नवंबर को सड़क पर गिराकर पीटा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीएम सोहेल अफरीदी पर हमले की कार्रवाई सेना के आदेश पर की गई। अफरीदी गुरुवार को जिस समय जेल पहुंचे थे वहां भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। उनके पहुंचने से हालात और बिगड़ गए। पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। पीटीआई ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है। अफरीदी ने बड़े विरोध-प्रदर्शन की धमकी दी थी अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे।

अमेरिका, ब्रिटेन समेत 15 देशों का चीन पर मानवाधिकार हनन का आरोप रिपोर्ट पर जताई गहरी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। 15 देशों के गठबंधन ने 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के दौरान चीन पर गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार हनन का आरोप लगाया है। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे राष्ट्रों ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर गहरी चिंता जताई।

फयूल की एक रिपोर्ट के अनुसार इन्होंने अपने बयान में चीन सरकार पर मनमानी हिरासत, जबरन श्रम, अवैध सामूहिक निगरानी, और धार्मिक/ सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर महत्वपूर्ण अंकुश लगाने की निंदा की। उइगरों, तिब्बतियों, ईसाइयों और फालुन गोंग अभ्यासी समेत अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार दुर्व्यवहार की विश्वसनीय रिपोर्टों पर जोर दिया गया। बच्चों को उनके परिवारों से अलग करने और राज्य-संचालित आवासीय स्कूलों में भेजने और सांस्कृतिक/ धार्मिक स्थलों को नष्ट करने जैसी प्रथाओं का भी उल्लेख किया गया।

हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के क्षरण पर भी चिंता : गठबंधन ने हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के गंभीर रूप से क्षरण पर भी चिंता जताई। 15 देशों ने बीजिंग से तत्काल और बिना शर्त उन सभी व्यक्तियों को रिहा करने की मांग की, जिन्हें केवल उनके मानवाधिकारों का प्रयोग करने के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने चीन से अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों का पूरी तरह से पालन करने का आग्रह भी किया। पहले भी चीन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप लगते रहे हैं।

यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल हुआ कनाडा, अमेरिका से बढ़ रही दूरी

ओटावा, एजेंसी। यूरोपीय संघ रक्षा फंड में कनाडा भी शामिल हो गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कनाडा के इस कदम को सैन्य खर्च के लिए अमेरिका पर निर्भरता से दूर जाने के तौर पर देखा जा रहा है। यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल होने के बाद कनाडा को 150 अरब यूरो का रक्षा कर्ज आसानी से मिल सकेगा। यूरोपीय संघ के इस रक्षा फंड को यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई (एसएएफई) के नाम से जाना जाता है। इस समूह में शामिल होने के बाद कनाडा की कंपनियों को विभिन्न रक्षा उपकरण खरीदने के लिए यूरोपीय संघ का सस्ता लोन मिल सकेगा।

क्या है एसएएफई : यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई यूरोपीय संघ का एक वित्तीय साधन है जिसका उद्देश्य सदस्य देशों को साझा रक्षा खरीद के लिए 150 अरब यूरो तक की वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह यूरोपीय संघ के उधार के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा और इसका लक्ष्य यूरोपीय रक्षा और औद्योगिक

आधार को मजबूत करना, महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देना और यूरोपीय रक्षा को मजबूत करना है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक बयान में कहा, एसएएफई में कनाडा की भागीदारी से सैन्य क्षमता की कमियों को दूर किया जाएगा, इससे कनाडाई निर्यातकों के लिए मार्केट का विस्तार होगा, और कनाडा में यूरोपियन रक्षा निवेश को बढ़ावा मिलेगा।' गौरतलब है कि कनाडा पहला गैर-यूरोपीय देश है जिसे रक्षा फंड में शामिल किया गया है। मार्क कार्नी ने कहा कि इससे कनाडा और यूरोपीय देशों के रिश्तों में भी मजबूती आएगी।

मादुरो को ट्रंप की चेतावनी, फोन कर कहा- देश छोड़ दें, अमेरिका-वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव एक बार फिर खतरे की रेखा पार करता दिख रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से फोन पर बात की और उन्हें तीखा अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि वह तुरंत देश नहीं छोड़ते, तो हालात और गंभीर हो जाएंगे। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब कैरेबियन क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ चुकी है और दोनों देशों के रिश्ते पहले से ही बेहद तनावपूर्ण हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने मादुरो से साफ कहा, 'आप खुद को और अपने करीबियों को बचा सकते हैं, लेकिन आपको अभी देश छोड़ना होगा।' अमेरिका ने मादुरो, उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस और उनके बेटे को सुरक्षित रास्ता देने का प्रस्ताव रखा था। यह प्रस्ताव मादुरो के कई शीर्ष सहयोगियों तक भी बढ़ाया गया था। लेकिन मादुरो ने इसे ठुकरा दिया। वेनेजुएला की तरफ से दो मुख्य मांगें रखी गईं। पहली, मादुरो और उनके करीबी सर्कल के लिए वैश्विक माफी और दूसरी, वेनेजुएला की सेना पर पूरा नियंत्रण बनाए रखने का अधिकार। अमेरिका ने इन दोनों मांगों को मंजूर करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद बातचीत पूरी तरह टूट गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति का सीधा संकेत : ट्रंप ने रविवार को स्वीकार किया कि उन्होंने हाल ही में मादुरो से बात की है, लेकिन उन्होंने बातचीत की प्रकृति पर कोई जानकारी देने से मना कर दिया। इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने दुनिया को चेतावनी दी कि वेनेजुएला का एयरस्पेस पूरी तरह बंद माना जाए। उनकी इस घोषणा के तुरंत बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों ने वेनेजुएला के ऊपर से उड़ान भरना बंद कर दिया। फ्लाइटराडार24 के मुताबिक, देश के ऊपर एक भी विदेशी विमान नहीं देखा गया। कुछ एयरलाइंस ने वैकल्पिक रास्ते अपनाए, जबकि कई ने सेवाएं रोक दीं।

शर्तों की वजह से अटका समाधान : रिपोर्ट के अनुसार, कॉल 16 नवंबर को हुई थी। इसमें मादुरो ने दो बड़े आश्वासन मांगे पहला, कि उन्हें और उनकी टीम को किसी भी मौजूदा आरोपों से वैश्विक स्तर पर पूरी तरह माफी मिले। दूसरा, वेनेजुएला की सेना पर उनका नियंत्रण बना रहे, भले ही भविष्य में देश में स्वतंत्र चुनाव हों। अमेरिका ने इन दोनों शर्तों को सख्ती से खारिज कर दिया और कहा कि मादुरो को पद तुरंत छोड़ना होगा। बताया गया कि मादुरो सरकार ने अमेरिकी प्रशासन से दोबारा बातचीत की कोशिश की लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति मादुरो और उनकी शासन व्यवस्था पर अब तक का सबसे बड़ा दबाव बना रही है।

बातचीत टूटने के बाद अमेरिका ने अपने शब्दों के साथ-साथ अपनी कार्रवाई भी तेज कर दी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अमेरिकी सैन्य अभियान जल्द ही जमीन पर शुरू हो सकते हैं। इसके बाद अमेरिकी जहाज और लड़ाकू विमान कैरेबियन में सक्रिय दिखाई दिए। अमेरिका ने दावा किया है कि वेनेजुएला की जमीन से ड्रग तस्करी बढ़ रही है, जिससे अमेरिका में 100000 लोगों की मौत हुई।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र विजय कुमार की की चाकू मारकर हत्या, परिवार ने दी श्रद्धांजलि, पुलिस की जांच तेज

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में पढ़ाई कर रहे 30 वर्षीय भारतीय छात्र विजय कुमार श्योराण की हत्या से उनके परिवार और समुदाय में गहरी शोक की लहर है। वेस्ट मर्सिया पुलिस ने सोमवार को औपचारिक रूप से उनकी पहचान जारी करते हुए परिवार की भावुक श्रद्धांजलि साझा की और मामले से जुड़े किसी भी तरह की जानकारी देने की अपील दोहराई।

पुलिस के मुताबिक, पिछले मंगलवार को वॉर्सेस्टर के बारबॉर्न रोड पर विजय गंभीर हालत में मिले थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। हत्या के शक में गिरफ्तार किए गए पांच लोग फिलहाल जमानत पर हैं, जबकि जांच अभी जारी है।

परिवार ने कहा- विजय ऊर्जा, खुशी और हंसी का दूसरा नाम था

हरियाणा के चरखी दादरी जिले के जग्रामबास गांव के रहने वाले विजय को परिवार ने एक ऐसे इंसान के रूप में याद किया, जिसकी मौजूदगी से हर कमरे में रोशनी फैल जाती थी। परिवार द्वारा जारी बयान में कहा विजय हमारे जीवन में ऊर्जा, खुशी और हंसी लेकर आया। वह जहां भी जाता, माहौल को खुशनुमा बना देता। कठिन परिस्थितियों में भी उसका मनोबल अटूट रहता था। वह दिल से जीने वाला इंसान था। परिवार ने आगे कहा उसका हर छोटा कदम, उसकी हर मुस्कान, उसकी हर दया हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेगी। उसकी असमय मौत ने हमारे जीवन में एक ऐसा खालीपन छोड़ दिया है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता।

पुलिस की अपील- किसी के पास भी जानकारी हो तो सामने आए : वेस्ट मर्सिया पुलिस के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर ली होलहाउस ने कहा कि उनकी टीम घटना के हर पहलू की जांच कर रही है। उन्होंने कहा पिछले कुछ दिनों में हमने कई अहम सुराग जुटाए हैं। लेकिन हमें और जानकारी की जरूरत है। जो भी व्यक्ति घटना के बारे में कुछ जानता हो, वह तुरंत पुलिस से संपर्क करे। होलहाउस ने यह भी बताया कि पुलिस की टीम सप्ताहांत में भी बारबॉर्न रोड पर मौजूद रही और समुदाय को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

विधायक ने केंद्र सरकार से की मदद की अपील : चरखी दादरी के विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने सोशल मीडिया पर विजय की मौत पर दुख जताया और भारत सरकार से परिवार की हर संभव मदद करने की अपील की। उन्होंने लिखा हम मांग करते हैं कि मृतक के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था की जाए और जांच पारदर्शी और समयबद्ध हो ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।

बांग्लादेश लौटने की तैयारी में बेटा तारिक रहमान, 15 साल से लंदन में हैं निर्वासित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष 80 वर्षीय बेगम खालिदा जिया की तबीयत गंभीर बनी हुई है। ताजा अपडेट के अनुसार उन्हें ढाका के एवरकेयर अस्पताल में वेंटिलेशन पर रखा गया है। उनकी सुरक्षा को देखते हुए अस्पताल में पुलिस और विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) की तैनाती की गई है। दूसरी ओर अब खालिदा जिया की ज्यादा गंभीर होती तबीयत को देखते 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे उनके बेटे और बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान अब बांग्लादेश लौटने की तैयारी में हैं। इस बात की जानकारी बीएनपी के वरिष्ठ नेता ने दी। बीएनपी के वरिष्ठ नेता सलाहुद्दीन अहमद ने बताया कि खालिदा जिया के बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान, जो पिछले 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं, जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे। तारीक नए बांग्लादेशी पासपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। कारण है कि रहमान अस्थायी सरकार द्वारा दिए गए एक बार यात्रा पास का इस्तेमाल नहीं करना चाहते।

चुनाव को लेकर भी पार्टी में हलचल : बता दें कि अगले साल फरवरी में होने वाले बांग्लादेशी आम चुनाव को लेकर भी देशभर में हलचल तेज है। ऐसे में बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया का स्वास्थ्य खराब होना, पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। ऐसे में बीएनपी की शीर्ष बैठक में पार्टी ने चुनावी रणनीति और वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की। बीएनपी, अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद बदलते राजनीतिक परिदृश्य में फिर से मुख्य राजनीतिक ताकत के रूप में उभर रही है। बढ़ाई गई अस्पताल की सुरक्षा उधर, खालिदा जिया की बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए अस्पताल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंगलवार सुबह 2 बजे के करीब अस्पताल के मुख्य गेट पर बैरिकेड लगाई गई और दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। मध्यरात्रि से विशेष सुरक्षा बल के चार सदस्य अस्पताल में पहुंचे और लगभग तीन घंटे तक सुरक्षा निरीक्षण किया।

सिडनी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण रैकेट का भंडाफोड़

सिडनी, एजेंसी। सिडनी में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय बाल यौन शोषण रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन चारों पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े वीडियो ऑनलाइन फैलाने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क एक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण घिरोह से जुड़ा था, जिसके वीडियो में खतरनाक रस्मों और शैतानी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इस कार्रवाई को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने ऑनलाइन एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर चल रही संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क की पहचान की। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट जेन डोहर्टी ने बताया कि यह सामान्य अपराध नहीं था, बल्कि इसमें ऐसे वीडियो शामिल थे जिनमें बच्चों को शैतानी अनुष्ठानों से जुड़े प्रतीकों और रिवाजों का इस्तेमाल करते हुए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सामग्री 'अत्यंत भयावह' है और बातचीत में भी ऐसे संकेत मिले जिससे पता चलता है कि आरोपी इसी तरह की क्रूर सामग्री साझा करते थे।

कैसे पकड़े गए आरोपी : पिछले गुरुवार को सिडनी में कई स्थानों पर छापे मारे गए और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके ठिकानों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जिनमें हजारों वीडियो संग्रहित थे। यह सामग्री ऐसे बच्चों की थी जिनकी उम्र कुछ महीनों से लेकर 12 साल तक बताई गई है। पुलिस का कहना है कि यह सबूत दिखाते हैं कि आरोपी एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा थे, जो ऑनलाइन बच्चों पर अत्याचार से जुड़े वीडियो साझा करता था।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की कड़ी : पुलिस ने बताया कि यह नेटवर्क अलग-

अलग देशों में फैले लोगों के बीच सामग्री साझा करता था। जांच में यह संकेत मिला है कि आरोपी शैतानी और ओकल्ट प्रतीकों के साथ वीडियो साझा करते थे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में जो वीडियो मिले हैं, वे आरोपियों ने खुद नहीं बनाए, लेकिन उन्होंने इन्हें साझा किया और इन पर चर्चाएं कीं। अधिकारियों ने कहा कि वे वैश्विक एजेंसियों के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पीड़ित बच्चे कौन थे, उन्हें कहां प्रताड़ित किया गया और अपराध के पीछे कौन लोग हैं।

आरोपियों के नाम और आरोप : गिरफ्तार आरोपियों में 26 वर्षीय लैंडन जर्मनोटा-मिल्स को इस नेटवर्क का मुख्य संचालक बताया गया है। अन्य तीन आरोपी स्टुअर्ट वुड्स रिचेस (39), मार्क एंड्रयू सेनडेक्की (42) और बेनजामिन रेमंड ड्राइस्डेल (46) हैं। चारों पर ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री फैलाने के आरोप लगे हैं। जर्मनोटा-मिल्स पर बेस्टियालिटी सामग्री फैलाने और अपने पास रखने का अतिरिक्त आरोप भी लगाया गया है। अदालत ने चारों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है और वे अब जनवरी के अंत में अगली सुनवाई के लिए पेश होंगे।

पीड़ितों की पहचान में जुटी पुलिस : पुलिस ने कहा कि अभी तक किसी भी पीड़ित की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से जांच तेजी से जारी है। अधिकारी जेन डोहर्टी का कहना है कि यह मामला बेहद संवेदनशील है और पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि यह अपराध संगठित तरीके से चलाया जा रहा था और सामग्री को एन्क्रिप्टेड माध्यमों के जरिए साझा किया जाता था, ताकि पहचान छुपी रहे। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ते ही कई और खुलासे हो सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com